जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, रविवार 15 मार्च, 2026

KEDIA™

Pavitra

अब

पर भी

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती चावल
- एलीट बासमती चावल
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- अमचूर पाउडर
- सेंधा नमक
- मिश्री धागा
- मिश्री पाउडर
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम
- गुड़
- गुड़ पाउडर

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- फ्लेवर्ड मखाना
- खेूर
- अंजीर
- मूंगफली
- अजवाइन
- राई
- हींग
- ब्लेंडेड मसाले
- सोया चंक्स
- रोस्टेड चना
- चाय और भी बहुत कुछ

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

FIXED PRICE

रिटेलर हो या कस्टमर: कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply

विचार बिन्दु

मौन वार्तालाप की एक महान कला है। –हैजलट

गरीबी से बड़ा कोई अभिशाप नहीं और इससे मुक्ति दिलाने में शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण से बेहतर कोई उपाय नहीं

मेरा जीवन एक साधारण गाँव में शुरू हुआ, जहाँ अकूत गरीबी थी। मेरे पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और मैं प्राय: उनको इस संघर्ष में देखता था कि कैसे वे एक ओर अपने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे और दूसरी ओर सरकारी अफसरों और नेताओं से हाथ जोड़कर अपने पदस्थापन स्थान के विकास के लिए याचना करते थे। मैंने तब इस बात को स्वयं जिया कि कैसे गरीबी न केवल जीवन की गुणवत्ता को कम करती है, बल्कि यह व्यक्ति की आत्मा को भी छलनी कर देती है। इस अभिशाप से मुक्ति पाने की छटपटाहट में मैंने शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के महत्व को आत्मसात और क्रियान्वित किया।

शिक्षा ने मेरे लिए विश्व के बंद दरवाजे खोले। शिक्षा मेरे लिए ज्ञान की वह रोशनी लेकर आई, जिसने मुझे अपनी स्थितियों को समझने और उन्हें बदलने की रणनीति और शक्ति दी। स्वास्थ्य ने मुझे यह सिखाया कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ और निर्मल मन निवास करता है, और यही निर्मल मन व्यक्ति के समग्र कल्याण का बीज है। शांति ने मुझे आंतरिक संतुलन और सामंजस्य के चमत्कारी प्रभाव को समझाया, जो हमारे भीतर सहयोग और सद्भावना को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहने से मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन के मूल आधार हैं, और इनकी सुरक्षा करना हमारी असल में हमारी अपनी भलाई के लिए अनिवार्य है।

इस प्रकार, मेरी कहानी आपको यह सिखा सकती है कि गरीबी से लड़ने और विजय पाने हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण को साथ लेकर चलना होगा। ये चारों स्तंभ व्यक्तिगत जीवन के साथ ही समग्र समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। जब हम इन स्तंभों को सशक्त बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं, बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैंने यह भी सीखा कि जब समाज एक साथ मिलकर काम करता है, तो बदलाव लाना तुलनात्मक रूप से शीघ्रतापूर्वक संभव हो पाता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना, और पर्यावरण की रक्षा करना–ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं जब हम सभी इसमें साझा प्रयत्न करते हैं। मेरी कहानी यह भी दर्शाती है कि गरीबी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे पराजित करने के लिए हमारे पास शक्तिशाली रणनीतियाँ उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण के माध्यम से हम व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बना सकते हैं, और साथ ही पूरे समाज और राष्ट्र को भी उन्नति की ओर ले जा सकते हैं। इस दिशा में मिलजुल कर किया गया कार्य एक ऐसे भविष्य की ओर ले जा सकता है जहाँ गरीबी मात्र इतिहास का हिस्सा बन कर रह जाए।

शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्राय: शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरी हेतु सही निर्णय ले सकता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे गाँव की एक युवती जिसने शिक्षा प्राप्त की और अपने गाँव में एक स्कूल खोला, उसने अपना जीवन तो बदला ही साथ ही अपने गाँव के बच्चों को भी शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया।

शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है। स्वास्थ्य सेवाओं का सुलभ होना और उनकी गुणवत्ता दोनों ही महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध और सुखी समाज की नींव रख सकता है। एक छोटे गाँव में, जहाँ पहले स्वास्थ्य सेवाएं नहीं थीं, वहाँ एक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना से न केवल बीमारियों का बेहतर प्रबंधन हुआ, बल्कि लोगों की जीवन गुणवत्ता में भी सुधार हुआ।

शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही शांति भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य घटक है। एक शांतिपूर्ण समाज में, व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के बेहतर अवसर प्राप्त होता है। जिस समाज में हिंसा और अशांति होती है उसमें सतत विकास की संभावनाएं घट जाती हैं और गरीबी बढ़ती जाती है। फलत:, शांति को बढ़ावा देना और आपसी संघर्षों को कम करना गरीबी से मुक्ति के लिए अनिवार्य है।

हम इस बात को समझते हैं कि गरीबी एक जटिल समस्या है जिसका समाधान एक क्षेत्र में कार्य करने से नहीं, अपितु एक समन्वित और समग्र दृष्टिकोण से ही हो सकता है। इसलिए हमारी श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों को साझा करेगी, और शोध-आधारित विचारों को आगे लायेगी, जिससे नवाचार और सुधार के लिए प्रेरणा मिल सके।

गरीबी को मिटाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और शांति के साथ–साथ पर्यावरण का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरणीय स्थिरता से हमारे संसाधन सुरक्षित रहते हैं, जो कि सतत आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकीय विकास और लोगों के कल्याण में मौलिक भूमिका निभाते हैं। जब पर्यावरण संरक्षित होता है, तो यह खाद्य सुरक्षा में योगदान देता है, प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करता है, और स्वच्छ जल, वायु और मृदा प्रदान करता है। इस प्रकार, पर्यावरणीय स्थिरता प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्रों के साथ ही मानव समाज के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए भी अनिवार्य है। इसलिए, गरीबी उन्मूलन की हमारी रणनीतियों में पर्यावरणीय संरक्षण को भी प्रमुख स्थान देना चाहिए। प्राकृतिक जलवायु समाधान जिसमें कार्बन पृथक्करण और संचय, जैव–विविधता का संरक्षण, और आजीविका में सुधार शामिल हैं, एक ऐसा रास्ता देते हैं जो गरीबी उन्मूलन के लिए आवश्यक संसाधनों का सुदृढ़ीकरण भी करते हैं।

इन चारों स्तंभों – शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण – को सुदृढ़ करने से ही गरीबी के चक्र को तोड़ा जा सकता है और एक समृद्ध समाज की नींव रखी जा सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग इन क्षेत्रों में प्राथमिकता से निवेश करें। इन मूलभूत कारकों को सम्हाली बिना गरीबी के विरुद्ध एक प्रभावी और निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती।

यदि एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन नहीं दे सकता, तो वास्तव में उसके पास देने के लिए और क्या बचता है? ये सभी तत्व न केवल एक समृद्ध समाज की नींव हैं, बल्कि ये हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण हैं। एक व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के रूप में हमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम इन मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करें और अपने नागरिकों को एक सुरक्षित, स्वस्थ, और शिक्षित भविष्य प्रदान करें।

इसी विश्वास के साथ हम एक श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण प्रारम्भ कर रहे हैं कि यह ज्ञान व्यक्तियों, परिवारों समाज और सरकारों को गरीबी उन्मूलन के लिए एक नवाचारी और प्रमाण–आधारित दिशा प्रदान करेगा। यदि हमारा देश अपने नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को तो बढ़ाएगा ही साथ ही समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करेगा। इन मूलभूत कारकों को ध्यान रखकर तय की गई प्राथमिकता ही वह आधार है जिस पर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।

इस विश्लेषण में हम आने वाले समय में यह स्पष्ट करेंगे कि कैसे शिक्षा नागरिकों को नई तकनीकें और विचार सीखने में मदद कर सकती है, स्वास्थ्य सेवाएं कैसे उन्हें अधिक उत्पादक बना सकती हैं, पर्यावरणीय संरक्षण कैसे संसाधनों की रक्षा कर सकता है, और शांति कैसे हमारे समाज को अधिक सहयोगी और सद्भावपूर्ण बना सकती है। हम उम्मीद करते हैं कि इस विश्लेषण के माध्यम से प्राप्त निष्कर्ष समाज और सरकारों को इन क्षेत्रों में नीतियाँ और कार्यक्रम विकसित करने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे गरीबी कम होने के साथ ही देश की समग्र प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

हम इस श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण को इस आशा और विश्वास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि यह ज्ञान, गरीबी को मिटाने के लिए समाज और सरकारों को एक नई दिशा देगा। जब एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह न केवल व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है बल्कि समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करता है। ये सभी तत्व एक समृद्ध समाज की नींव हैं और हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं। इससे न केवल हमारे देश की समग्र उन्नति सुनिश्चित होगी, बल्कि यह हमारे नागरिकों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाने में भी मदद करेगा। यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।

हम इस बात को समझते हैं कि गरीबी एक जटिल समस्या है जिसका समाधान एक क्षेत्र में कार्य करने से नहीं, अपितु एक समन्वित और समग्र दृष्टिकोण से ही हो सकता है। इसलिए हमारी श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों को साझा करेगी, और शोध–आधारित विचारों को आगे लायेगी, जिससे नवाचार और सुधार के लिए प्रेरणा मिल सके। अंत में, हम आशा करते हैं कि यह श्रृंखला न केवल जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि समाज और सरकारों को उन नीतियों और कार्यक्रमों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी जो वास्तव में गरीबी को कम करने और हमारे देश को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में सहायक होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

स्वस्थ समाज और समृद्ध राजस्थान की आधारशिला है 'स्वच्छता'

राजस्थान दिवस की शुरुआत स्वच्छता कार्यक्रम से

पुनीत कर्णावट

स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की पहचान है और यही किसी भी प्रदेश की समृद्धि का मजबूत आधार बनता है। किसी भी प्रदेश की वास्तविक प्रगति उसके नागरिकों के जीवन स्तर, स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता से भी आंकी जाती है

राजस्थान दिवस के भव्य आयोजनों की शुरुआत स्वच्छता कार्यक्रम से होना प्रतीकात्मक पहल के साथ ही एक व्यापक दृष्टि का परिचायक है। स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की पहचान है और यही किसी भी प्रदेश की समृद्धि का मजबूत आधार बनता है। किसी भी प्रदेश की वास्तविक प्रगति उसके नागरिकों के जीवन स्तर, स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता से भी आंकी जाती है।

राजस्थान अपनी ऐतिहासिक विरासत, भव्य महलों, किलों, झीलों, रेगिस्तान और अभयारण्यों के कारण विश्व पर्यटन मानचित्र पर विशेष स्थान रखता है। जयपुर, उदयपुर, जैसलमेर, जोधपुर और रणथंभौर जैसे पर्यटन स्थल हर वर्ष लाखों देशी–विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। स्वाभाविक है कि जब बड़ी संख्या में पर्यटक किसी प्रदेश में आते हैं तो वहां की स्वच्छता, पर्यावरण और नागरिक अनुशासन उस प्रदेश की छवि को निर्धारित करते हैं। इसलिए स्वच्छता केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास से भी गहराई से जुड़ी हुई है।

आज दुनिया भर में स्वच्छता को आधुनिक और सभ्य समाज की पहचान माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अनेक बीमारियों की जड़ गंदगी, दूषित जल और कचरे के अनुचित प्रबंधन में छिपी होती है। विकसित देशों ने स्वच्छता को अपनी जीवन शैली का हिस्सा बना लिया है।

जापान, सिंगापुर और यूरोप के कई देशों में नागरिक स्वयं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता को अपना कर्तव्य मानते हैं। वहां लोग सड़कों पर कचरा फेंकने से बचते हैं और सामुदायिक अनुशासन के माध्यम से शहरों को स्वच्छ बनाए रखते हैं। यही कारण है कि उन देशों में पर्यटन, स्वास्थ्य और पर्यावरण की स्थिति अत्यंत बेहतर है।

भारत जैसे विशाल देश में स्वच्छता को जन आंदोलन बनाना एक बड़ी चुनौती थी। पिछले एक दशक में इस दिशा में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत कर स्वच्छता को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में स्थापित किया। यह अभियान केवल सड़कों और नालियों की सफाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों की सोच और व्यवहार में बदलाव लाने का माध्यम बना।

देशभर में अब तक 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया जा चुका है। इससे खुले में शौच की समस्या में उल्लेखनीय कमी आई है और महिलाओं की गरिमा तथा सुरक्षा को नई मजबूती मिली है। प्रधानमंत्री का न गंदगी करेंगे, न करने देंगे का संदेश आज सामाजिक चेतना का हिस्सा बन चुका है। यही कारण है कि स्वच्छता अब केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन आंदोलन के रूप में विकसित हो रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वच्छता को सुशासन और समग्र विकास की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल किया है। उनका स्पष्ट मानना है कि स्वच्छता नगर निकायों या सरकारी विभागों के साथ पूरे समाज की सांझी जिम्मेदारी है। राजस्थान दिवस के अवसर पर स्वच्छता कार्यक्रम से उत्सवों की शुरुआत करना इसी सोच का परिणाम है।

मुख्यमंत्री स्वयं विभिन्न स्वच्छता अभियानों में भाग लेकर नागरिकों को प्रेरित कर रहे हैं कि वे अपने घर, मोहल्ले, जल स्त्रोतों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि राजस्थान केवल आर्थिक रूप से ही नहीं, बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य के मामले में भी देश का अठाणी राज्य बनना चाहिए। विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वच्छता को बुनियादी शर्त माना जा रहा है।

राज्य सरकार ने प्रदेशवासियों को स्वच्छता से जोड़ने के लिए कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए हैं। जयपुर के जल महल की पाल और मानसरोवर सिटी पार्क में बड़े स्तर पर स्वच्छता अभियान आयोजित किए गए। इसी क्रम में राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में अल्बर्ट हॉल से स्वच्छता कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इन अभियानों का उद्देश्य आमजन में यह भावना जागृत करना है कि स्वच्छता हर नागरिक का व्यक्तिगत कर्तव्य है। जल स्त्रोतों की सफाई और संरक्षण के लिए वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान चलाया गया। इस अभियान में लगभग ढाई करोड़ नागरिकों ने भाग लिया। यह अभियान जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में जनभागीदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

स्वच्छता का सीधा संबंध स्वास्थ्य से है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेवा पखवाड़ा के दौरान प्रदेश के लगभग छह हजार चिकित्सा संस्थानों में स्वच्छता शिविरों का आयोजन किया गया। अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता सुनिश्चित करना संक्रमण नियंत्रण और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है।स्वच्छ और व्यवस्थित स्वास्थ्य संस्थान न केवल रोगियों को बेहतर वातावरण प्रदान करते हैं, बल्कि चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता को भी बढ़ाते हैं। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत राजस्थान में 2 लाख 78 हजार व्यक्तिगत शौचालयों और 4 हजार से अधिक सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। प्रदेश के लगभग सभी गांव ओडीएफ प्लस घोषित किए जा चुके हैं। इसका अर्थ है कि यहां खुले में शौच की समस्या समाप्त होने के साथ–साथ ठोस और तरल कचरा प्रबंधन की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं।

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान 2025 के तहत सफाई लक्ष्यों की प्राप्ति में राजस्थान देश में पहले स्थान पर रहा। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में जयपुर और उदयपुर का देश के शीर्ष 20 शहरों में शामिल होना भी प्रदेश की उल्लेखनीय उपलब्धि है। डूंगरपुर को सुपर स्वच्छ लीग सिटी का सम्मान मिलना यह दर्शाता है कि छोटे शहर भी स्वच्छता के क्षेत्र में प्रेरणादायक उदाहरण बन सकते हैं। आज के समय में कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन शहरों के सामने एक बड़ी चुनौती बन गया है। बढ़ती आबादी और उपभोग की बदलती आदतों के कारण कचरे की मात्रा लगातार बढ़ रही है। कचरे का सही ढंग से निष्पादन पर्यावरण, जल स्त्रोतों और मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए घर से निकलने वाले कचरे को गीले और सूखे रूप में अलग किया जाता है। गीले कचरे से जैविक खाद बनाई जा सकती है, जबकि सूखे कचरे को पुनर्चक्रण के माध्यम से पुन: उपयोग में लाया जा सकता है। राजस्थान के कई शहरों में डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की आधुनिक व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वच्छ और सुव्यवस्थित शहर पर्यटकों को आकर्षित करते हैं और इससे स्थानीय व्यापार, होटल उद्योग और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। जब कोई पर्यटक किसी शहर में साफ सड़कें, व्यवस्थित बाजार और स्वच्छ जलाशय देखता है, तो उस शहर की सकारात्मक छवि बनती है। इसलिए स्वच्छता को पर्यटन विकास का आधार भी माना जाता है।

स्वच्छता अभियान की सफलता अंतत: नागरिकों की भागीदारी पर निर्भर करती है। सरकार योजनाएं बना सकती है, संसाधन उपलब्ध करा सकती है, लेकिन नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाकर स्वच्छता को स्थाई बना सकते हैं। इसके लिए हर व्यक्ति को यह संकल्प लेना होगा कि वह सड़क, पार्क, नदी, तालाब और सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी नहीं फैलाएगा। घर से निकलने वाले कचरे को अलग–अलग करना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखना हर नागरिक का कर्तव्य है।

आज जब देश विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब स्वच्छता इस यात्रा की बुनियादी शर्त बन चुकी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान भी स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सरकार की नीतियां, प्रशासन की प्रतिबद्धता और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से राजस्थान अपनी सांस्कृतिक विरासत के साथ–साथ स्वच्छता के क्षेत्र में भी देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। स्वच्छता एक जीवन मूल्य है और यही मूल्य हमें स्वस्थ समाज, सशक्त प्रदेश और उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएगा।

–पुनीत कर्णावट,
उपमहापौर, जयपुर ग्रेटर

सोशल मीडिया के दौर में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य : अवसर और चुनौतियां

राम शर्मा

डिजिटल क्रांति के इस युग में सोशल मीडिया युवाओं के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। स्मार्टफोन और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच ने दुनिया को मानो एक छोटे से मंच में बदल दिया है, जहां लोग अपने विचार, अनुभव और भावनाएं तुरंत साझा कर सकते हैं। आज का युवा वर्ग फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर), यूट्यूब और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर काफी समय बिताता है। हालांकि सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति और संवाद के नए अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन इसके बढ़ते प्रभाव ने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर नई चिंताएं भी पैदा की हैं।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि सोशल मीडिया ने युवाओं के जीवन में कई सकारात्मक बदलाव भी लाए हैं। यह ज्ञान और सूचना तक पहुंच को आसान बनाता है। विद्यार्थी ऑनलाइन पढ़ाई से लेकर करियर से जुड़ी जानकारी तक आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से लोग नए कौशल सीख रहे हैं, अपने विचारों को दुनिया के सामने रख रहे हैं और कई युवा कंटेंट क्रिएटर या डिजिटल उद्यमी के रूप में करियर भी बना रहे हैं। इसके अलावा, दूर–दराज रहने वाले मित्रों और रिश्तेदारों से जुड़े रहने का भी यह एक आसान माध्यम बन गया है।

लेकिन दूसरी ओर, सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव भी डाल रहा है। सबसे बड़ी समस्या है तुलना की प्रवृत्ति। सोशल मीडिया पर लोग अक्सर अपने जीवन का केवल सकारात्मक और आकर्षक पक्ष ही दिखाते हैं। जब युवा इन पोस्टों को देखते हैं तो वे अपने जीवन की तुलना दूसरों से करने लगते हैं। इससे उनमें हीन भावना, असंतोष और आत्मविश्वास की कमी पैदा हो सकती है। कई शोध बताते हैं कि लगातार तुलना करने की यह प्रवृत्ति युवाओं में अवसाद और चिंता को बढ़ा सकती है।

एक और महत्वपूर्ण समस्या है लाइक्स और फॉलोअर्स की संस्कृति। सोशल मीडिया पर लोकप्रियता को अक्सर लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स की संख्या से मापा जाता है। युवा वर्ग कई बार इस डिजिटल मान्यता को अपनी आत्म–मूल्य की कसौटी मानने लगता है। यदि किसी पोस्ट पर अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो उन्हें निराशा या असफलता का अनुभव होता है। धीरे–धीरे यह स्थिति मानसिक तनाव का कारण बन सकती है।

सोशल मीडिया का एक अन्य नकारात्मक पहलू है साइबर बुलिंग। इंटरनेट के इस खुले मंच पर कई बार लोग बिना किसी जिम्मेदारी के दूसरों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करते हैं या उन्हें ट्रोल करते हैं। विशेष रूप से किशोर और युवा वर्ग इस तरह की घटनाओं से गहराई से प्रभावित हो सकते हैं। साइबर बुलिंग के कारण कई युवाओं में भय, आत्म–संदेह और सामाजिक अलगाव की भावना पैदा हो जाती है।

इसके अलावा, सोशल मीडिया की लत भी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। कई युवा घंटों तक मोबाइल स्क्रीन पर लगे रहते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई, शारीरिक गतिविधियां और नींद प्रभावित होती है। नींद की कमी मानसिक स्वास्थ्य पर सीधा असर डालती है। विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार स्क्रीन के संपर्क में रहने से मस्तिष्क को पर्याप्त आराम नहीं मिल पाता, जिससे चिड़चिड़ापन और थकान बढ़ सकती है।

फेक न्यूज और भ्रामक जानकारी भी युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालती है। सोशल मीडिया पर कई बार ऐसी खबरें और वीडियो वायरल हो जाते हैं जो भय या भ्रम पैदा करते हैं। यदि युवा बिना सत्यापन के इन जानकारियों को स्वीकार कर लेते हैं, तो उनमें असुरक्षा और तनाव की भावना बढ़ सकती है। इसलिए डिजिटल साक्षरता आज के समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गई है।

हालांकि इस चुनौतीपूर्ण स्थिति का समाधान भी संभव है। सबसे पहले युवाओं को सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग करना सीखना होगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म को जीवन का एक हिस्सा माना जाए, न कि पूरी जिंदगी। समय–समय पर डिजिटल डिटॉक्स यानी कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकता है। परिवार और शिक्षण संस्थानों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है।

माता–पिता को चाहिए कि वे बच्चों के साथ खुलकर संवाद करें और उन्हें सोशल मीडिया के फायदे और नुकसान दोनों के बारे में जागरूक करें। स्कूल और कॉलेजों में भी मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि युवा अपने भावनात्मक स्वास्थ्य को समझ सकें और जरूरत पड़ने पर मदद लेने में संकोच न करें। सरकार और तकनीकी कंपनियों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को साइबर बुलिंग, फेक न्यूज और हानिकारक कंटेंट को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सकारात्मक संदेशों और अभियानों को बढ़ावा देना भी जरूरी है।

अंतत: यह समझना होगा कि तकनीक स्वयं न तो पूरी तरह अच्छी है और न ही पूरी तरह बुरी। उसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि हम उसका उपयोग किस प्रकार करते हैं। सोशल मीडिया युवाओं के लिए अवसरों का एक बड़ा मंच है, लेकिन यदि इसका उपयोग संतुलन और जिम्मेदारी के साथ न किया जाए, तो यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती भी बन सकता है।

आज जरूरत इस बात की है कि युवा डिजिटल दुनिया के साथ–साथ वास्तविक जीवन के रिश्तों, प्रकृति, खेल और रचनात्मक गतिविधियों से भी जुड़े रहें। यदि हम सोशल मीडिया को एक साधन के रूप में उपयोग करें, न कि अपनी पहचान का आधार बना लें, तो यह हमारे जीवन को समृद्ध बना सकता है। तभी डिजिटल युग में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षित और संतुलित रह सकेगा।

–राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

राशिफल रविवार 15 मार्च, 2026

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, श्रवण नक्षत्र सोमवार प्रात: 5:56 तक, परिघ योग दिन 10:25 तक, बालव करण प्रात: 9:17 तक, चन्द्रमा मकर राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–मीन, चन्द्रमा–मकर, मंगल–कुम्भ, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज पापमोचिनी एकादशी व्रत, संक्रांति पुण्यकाल पूर्वान्ह में है। आज से मीन मल मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:09 से 9:15 तक, लाभ–अमृत 9:38 से 12:26 तक, शुभ 12:35 से 3:34 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:41, सूर्यास्त 6:31

मेष

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृष

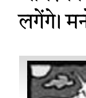

परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन/संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन

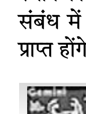

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

कर्क

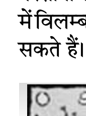

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

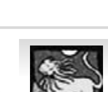

विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कन्या

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

तुला

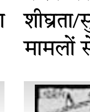

घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक

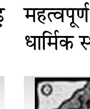

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु

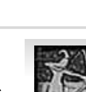

परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आज परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

मकर

महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

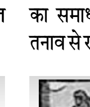

आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

मीन

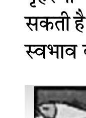

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आज परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 130 प्रभात उदयपुर, रविवार 15 मार्च, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

अमेरिका ने ईरान के अति महत्वपूर्ण टापू ''खार्ग आईलैण्ड'' पर भारी बमबारी की

जवाबी कार्यवाही में ईरान ने यू.एई. के सबसे बड़े ''ऑयल टर्मिनल'' फुजैराह बंदरगाह पर बमबारी की

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मार्च। सभी संकेत बताते हैं कि पश्चिम एशिया का युद्ध नियंत्रण से बाहर होता जा रहा है और खतरनाक रूप से एक बहुत बड़े संघर्ष में बदल सकता है। माना जा रहा है कि खार्ग द्वीप पर हमला करने और उस पर नियंत्रण लेने की योजना का उद्देश्य होर्मुज़ स्ट्रेट को ईरान के नियंत्रण से निकालना है।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान के अत्यंत महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप की सुविधाओं पर बमबारी की है और वहां मौजूद उसके सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया है। इसके जवाब में ईरान ने इस क्षेत्र में मौजूद सभी अमेरिकी ठिकानों और उनसे जुड़े संस्थानों पर हमला करने की कसम खाई है।

लगभग तुरंत ही जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह बंदरगाह पर बमबारी की। यह क्षेत्र का सबसे बड़ा तेल टर्मिनल माना जाता है। अगर यह बंदरगाह लंबे समय तक काम से बाहर हो जाता है, तो बड़े पैमाने पर तेल परिवहन महीनों तक ठप हो सकता है। संघर्ष को और अधिक विनाशकारी और घातक स्तर पर ले जाते

- जैसा कि विदित ही है, ''खार्ग आयलैण्ड'' से ईरान का 90 प्रतिशत ऑयल निर्यात होता है।
- अगर फुजैराह टापू का ''ऑयल टर्मिनल'' क्षतिग्रस्त हुआ और वहाँ से ऑयल का ''ट्रांस्पोर्टेशन संभव नहीं हो पाया तो इस ''ऑयल टर्मिनल'' को मरम्मत करके दुरस्त करके ट्रांसपोर्टेशन के काबिल बनाने में कई महीने लग जाएंगे और तब तक, ''ऑयल का निर्यात, स्थगित रहेगा।
- इसी प्रकार, क्योंकि ईरान के तट काफी छिछले हैं, यानि गहरे नहीं हैं, वहाँ भारी भरकम बड़े-बड़े ''ऑयल टैंकर'' तट तक नहीं पहुँच सकते। अतः ईरान, विश्व के बड़े-बड़े ऑयल ले जाने वाले जहाजों को ''खार्ग आईलैण्ड'' पर खड़ा करवाता है। वहाँ उन जहाजों पर ऑयल लाद कर निर्यात करता है। अतः अगर अमेरिका की बमबारी से, ''खार्ग आईलैण्ड'' की, जहाजों पर ऑयल लादने की सुविधा क्षतिग्रस्त हो गई तो ईरान का ''ऑयल का 90 प्रतिशत निर्यात खतरे में पड़ जाएगा।
- इसी ''खार्ग आईलैण्ड'' से ईरान का ऑयल चीन को निर्यात होता है। अगर, चीन की ''ऑयल'' खरीद खतरे में पड़ी तो कोई आश्चर्य की बात नहीं, अगर चीन भी खाड़ी देशों के वर्तमान युद्ध में शरीक हो जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा व तृणमूल में पत्थर चले

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 14 मार्च। शनिवार को कोलकाता के गिरीश पार्क पास तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। यह स्थान ब्रिगेड परेड ग्राउन्ड से लगभग 5 किलोमीटर दूर है, जहाँ कुछ समय बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रैली को संबोधित किया।

भाजपा समर्थकों का आरोप है कि जब वे प्रधानमंत्री के समर्थन में नारे लगाते हुए रैली स्थल की ओर जा रहे थे, तभी कुछ इलाकों से अचानक उन पर पत्थर फेंके गए।

- यह सब हुआ, प्रधानमंत्री के रैली स्थल से मात्र 5 किलोमीटर दूर और रैली से आधा घंटा पहले। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर झगड़ा शुरु करने का आरोप लगाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पार्टियों के समर्थकों ने एक-दूसरे पर पत्थर फेंके और नारेबाजी की।

भाजपा का आरोप है कि इस झड़प में कई वाहनों को नुकसान पहुँचा।

लेकिन स्थानीय टी एम सी कार्यकर्ताओं ने इन आरोपों का खंडन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान को कतई उम्मीद नहीं थी, इतना भारी पड़ जाएगा रक्षा गठबंधन

सऊदी अरब के साथ किये गये रक्षा गठबंधन की शर्तों के अनुसार, पाकिस्तान व सऊदी अरब एक दूसरे के पक्ष में कूदेंगे, अगर कोई बाहरी हमला हुआ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मार्च। भारत के रक्षा विशेषज्ञ सुशांत सरीन ने बताया कि जब पाकिस्तान ने पिछले साल सितंबर में सऊदी अरब के साथ स्ट्रैटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट (एसएमडीए) पर हस्ताक्षर किए थे, तब उसकी सेना-नियंत्रित सरकार ने शायद यह नहीं सोचा था कि यह समझौता जल्द ही इतना बड़ा बोझ साबित होगा।

पाकिस्तानी जनरलों और नेताओं ने खुद को और अपनी जनता को यह भरोसा दिलाया था कि सऊदी अरब पाकिस्तान पर धन की वर्षा करेगा और बदले में पाकिस्तान सऊदी सुरक्षा की गारंटी देगा तथा पूरे मध्य-पूर्व में अपने राजनीतिक और कूटनीतिक प्रभाव का विस्तार करेगा।

पाकिस्तानियों ने इस समझौते को इस तरह प्रस्तुत किया कि यह उनकी सैन्य क्षमता की मान्यता है और मुख्य रूप से इज़रायल के खिलाफ है, जिसने पाकिस्तान और सऊदी अरब के एसएमडीए पर हस्ताक्षर करने से कुछ दिन पहले दोहा में हवाई हमला किया था। यह भी कहा गया कि पाकिस्तान सऊदी अरब को हूती लड़ाकों और अन्य गैर-राज्य व राज्य-समर्थित ताकतों के खिलाफ सुरक्षा सहायता देगा।

हालांकि पाकिस्तानियों ने कभी कल्पना नहीं की थी कि उनकी किराए पर उपलब्ध सुरक्षा सेवाएं ईरान के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए मांगी जा सकती हैं। इसका कारण यह था कि उस समय सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंध धीरे-धीरे सुधर रहे थे और दोनों अपने पुराने तनाव को पीछे छोड़ने की कोशिश कर रहे थे।

लेकिन पाकिस्तान की जरुरत से ज्यादा चालाकी अब उसे मुश्किल स्थिति में ले आई है। एक तरफ अमेरिका-इज़रायल के ऑपरेशन ''एपिक फ्यूरी'' और ''लायन्स रोर'' हैं और दूसरी तरफ ईरान का ''ऑपरेशन फतह खैबर''। ईरान जब सऊदी अरब समेत, अन्य अमेरिकी सहयोगी खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है, तब पाकिस्तान को डर है कि उससे एसएमडीए के तहत सऊदी अरब की मदद करने को कहा जा सकता है, जिसके पाकिस्तान के लिए गंभीर दीर्घकालिक राजनीतिक और सुरक्षा परिणाम हो सकते हैं।

संघर्ष की शुरुआत से ही यह सवाल उठ रहा है कि सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान क्या भूमिका निभाएगा, खासकर तब, जब ईरान देश के भीतर लक्ष्यों पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा था।

- पाकिस्तान-ईरान से लड़ना नहीं चाहता, क्योंकि बलूचिस्तान व अफगानिस्तान में पहले से ही बगावत व युद्ध जैसी स्थिति है तथा अगर शिया प्रमुख देश, ईरान से युद्ध में उलझना उसके लिए संकट और गहरा कर देगा, क्योंकि पाकिस्तान में भी काफी शिया मुसलमान हैं।
- अभी तो पाकिस्तान यह कहकर बच रहा है कि ईरान ने भी अभी तक सऊदी अरब को ''शत्रु'' घोषित नहीं किया है और ईरान की असली घोषित लड़ाई इज़रायल से है।
- पर, अगर ईरान ने सऊदी अरब के ''ऑयल इंन्स्टॉलेशन्स'' पर हमला किया तो ईरान के खिलाफ सऊदी अरब की लड़ाई खुले में आ जाएगी और पाकिस्तान के समक्ष कोई विकल्प नहीं रह जाएगा, सिवाय ईरान के खिलाफ युद्ध में सऊदी अरब के साथ खड़ा होने के।
- पाकिस्तान के प्र.मंत्री शाहबाज़ शरीफ, सऊदी अरब की यात्रा पर हैं और उन पर दबाव डाला जाएगा कि वे अब ईरान के खिलाफ युद्ध में खड़े हों। पाकिस्तान, सऊदी अरब को भी नाराज़ नहीं करना चाहता, क्योंकि उसकी नाज़ुक आर्थिक स्थिति में सऊदी अरब ही उसको आर्थिक तंगी से पार लगाने वाला ''मित्र'' नज़र आ रहा है।

पाकिस्तान ने दावा किया है कि ईरान को उसने कड़ी चेतावनी दी थी, इस कारण ही उसने सऊदी अरब को अपेक्षाकृत कम निशाना बनाया। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने दावा किया कि ईरान इस डर से सऊदी अरब पर सीधे हमले से बच रहा था कि पाकिस्तान सऊदियों के समर्थन में युद्ध में कूद सकता है। हालांकि ईरान ने कुवैत, यूएई, ओमान, बहरीन और कतर पर कई हमले किए। पाकिस्तान ने इसे सऊदी अरब और अपने लिए एक तरह का संतोषजनक सैन्य और कूटनीतिक समाधान बताया।

पाकिस्तान इस समय पहले ही कई मोर्चों पर उलझा हुआ है, बलूचिस्तान और खैबर-पख्तूनख्वा में दो बड़े विद्रोह, अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात के साथ अघोषित संघर्ष, ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की हत्या के बाद उपजा तनाव, विपक्षी दलों से टकराव और कमज़ोर अर्थव्यवस्था। ऐसे समय में पाकिस्तान यह कदापि नहीं चाहेगा कि वह मध्य-पूर्व के बड़े युद्ध में, वह भी अमेरिका और इज़रायल के साथ मिलकर किसी दूसरे मुस्लिम देश के खिलाफ शामिल हो।

अरब देश, जिनमें सऊदी अरब भी शामिल है, ईरान पर सीधे युद्ध घोषित करने या प्रहार करने से हिचक रहे हैं, वे सिर्फ अपना बचाव कर रहे हैं। इस बात से पाकिस्तान को राहत है। अगर सऊदी अरब खुद ईरान पर युद्ध घोषित करने को तैयार नहीं है, तो वह पाकिस्तान से यह उम्मीद कैसे कर सकता है? सऊदी अरब की अनिच्छा का कारण यह भी था कि उसके संसाधन, जैसे तेल के कुंए तथा रिफाइनरीज़ काफी असुरक्षित हैं।

दूसरी ओर पाकिस्तान के विश्लेषकों का कहना है कि एसएमडीए केवल सऊदी अरब की रक्षा के लिए है, किसी दूसरे देश पर हमला करने के लिए नहीं। इसके बावजूद पाकिस्तानी नेता सऊदियों को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान 1998 के परमाणु परीक्षणों के दौरान और उसके बाद मिली आर्थिक मदद के लिए हमेशा सऊदी अरब का ऋणी रहेगा। उनके प्रवक्ता ने भी कहा कि पाकिस्तान हर हाल में सऊदी अरब के साथ खड़ा रहेगा।

सऊदी अरब का मानना है कि ईरान ने उस पर मिसाइलें दागी हैं, जिन्हें सऊदी एयर डिफेंस ने रोक लिया। नुकसान सीमित रहा है, लेकिन चूंकि सऊदी अरब पर हमला हुआ है, इसलिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर मिसाइल दागी

बगदाद, 14 मार्च। पश्चिम एशिया में 12 दिनों से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के बीच शनिवार को ईरान ने इराक की राजधानी बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास पर मिसाइल हमला किया। मिसाइल दूतावास परिसर के भीतर बने हेलीपैड के पास गिरी जिससे इमारत क्षितग्रस्त हो गई और अमेरिकी वायुरक्षा प्रणाली को भी नुकसान होने की खबर है।

समाचार चैनल अल जज़ीरा एवं अन्य मीडिया संगठनों की रिपोर्टों के अनुसार इराक की राजधानी बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास पर शनिवार को एक मिसाइल दूतावास परिसर के भीतर बने हेलीपैड के पास गिरी, जिससे इमारत को नुकसान पहुंचा और परिसर से लपटें एवं धुआं उठता देखा गया। इस हमले का निशाना अमेरिकी दूतावास परिसर स्थित वायु रक्षा प्रणाली का स्टेशन था।

घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जबकि हमले में किसी के हताहत होने की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्टों में कहा गया है कि हमले में दूतावास की हवाई सुरक्षा प्रणाली का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

ईंधन ला रहे दो भारतीय जहाजों ने होर्मुज़ स्ट्रेट पार किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मार्च। शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के भारतीय ध्वज वाले दो एलपीजी टैंकर ''शिवालिक'' और ''नंदा देवी'' ने शनिवार को होर्मुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) सफलतापूर्वक पार कर लिया और अब भारत की ओर बढ़ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, यह पारगमन ''बहुत सावधानी से किया गया ऑपरेशन'' था, जिसे ईरान और क्षेत्र की अन्य शक्तियों के सहयोग से पूरा किया गया।

यह यात्रा नई दिल्ली और तेहरान के बीच गहन कूटनीतिक प्रयासों के बाद संभव हो पाई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने फरवरी के अंत में संकट शुरू होने के बाद से अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची के साथ चार दौर की बातचीत की है। गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी भारतीय जहाज़ों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन के साथ उच्च स्तरीय चर्चा की।

शिवालिक लगभग 40,000 मीट्रिक टन गैस लेकर तथा नंदा देवी भी बड़ी मात्रा में ईंधन लेकर आ रहा है। इन जहाज़ों के सफलतापूर्वक पार होने से एक दिन पहले ही भारत आ रहा एक अन्य जहाज़ ईरान और ओमान के बीच स्थित इस महत्वपूर्ण संकरे समुद्री मार्ग को पार कर चुका है।

वर्तमान में भारत, स्ट्रेट के दोनों ओर मौजूद दो दर्जन से अधिक भारतीय ध्वज वाले व्यापारिक जहाज़ों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने पर काम कर रहा है। शिपिंग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान इस बात की पुष्टि की कि ''जग प्रकाश'' नामक एक अन्य भारतीय ध्वज वाला टैंकर, जो ओमान से अफ्रीका के लिए पेट्रोल ले जा रहा है, स्ट्रेट के पूर्वी हिस्से से रवाना हो चुका है।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल के बाद ईरान ने भारतीय जहाजों को होर्मुज़ से सुरक्षित गुजरने की अनुमति दी।
- ये दोनों भारतीय जहाज हैं, शिवालिक व नंदा देवी। शिवालिक में 40 हज़ार मीट्रिक टन गैस है और नंदा देवी में ईंधन है।
- इससे एक दिन पहले एक अन्य जहाज भी सफलतापूर्वक होर्मुज़ को पार कर भारत के मुबंई बंदरगाह पहुंचा था।
- वर्तमान में दो दर्ज़न भारतीय झंडा लगे जहाज होर्मुज़ स्ट्रेट के बाहर खड़े हैं। जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश सिन्हा ने बताया, भारतीय झंडे वाला जहाज जग प्रकाश ओमान से अफ्रीका जाने के लिए होर्मुज़ से होकर जाने की तैयारी में है।

नॉर्थ कोरिया ने दस बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मार्च। ईरान युद्ध लगातार जारी है, इसी बीच शनिवार को उत्तर कोरिया ने कम से कम 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दाग दीं। उस समय अमेरिकी सेना अपने सहयोगी दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रही थी। यह अमेरिकी राष्ट्रपति

- जब यह मिसाइलें दागीं गईं, तब दक्षिण कोरिया और अमेरिका संयुक्त नौ सेना अभ्यास कर रहे थे। कूटनीतिक हलकों में चर्चा है, कि ऐसा करके क्या ईरान वॉर के बीच नार्थ कोरिया के प्रमुख किम जोंग ने ट्रंप को अपने तेवरों का संकेत दिया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनम वांगचुक जोधपुर जेल से रिहा

जोधपुर, (कासं)। लद्दाख के सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक 170 दिन बाद जोधपुर सेंट्रल जेल से बाहर आ गए हैं। उन पर लगा नेशनल सिक्योरिटी एक्ट हटा दिया गया है।

शनिवार को सुबह करीब 10 बजे सोनम की पत्नी गीतांजलि जोधपुर जेल पहुंची थी। इसके बाद कागजी कार्रवाई पूरी की गई और फिर दोपहर सवा एक बजे दोनों प्राइवेट कार में पुलिस सुरक्षा के बीच जिले से बाहर निकले।

- केन्द्र सरकार ने उन पर से नेशनल सिक्यूरिटी एक्ट हटाया।

केंद्र का यह फैसला उनकी पत्नी गीतांजलि द्वारा दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट में सूचीबद्ध किए जाने के बाद आया। गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा कि वांगचुक को शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास बहाल करने के लिए रिहा किया गया। मंत्रालय ने यह भी कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डिजिटल वॉर में अफवाहें मिसाइलों जितनी घातक साबित होती हैं

सूचना क्रांति के इस दौर में पलक झपकते ही खबरें विश्व भर में फैल जाती हैं, पर झूठ भी उतनी ही तेजी से फैलता है

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 14 मार्च। युद्ध की धुंध में गलत जानकारी हमेशा तेजी से फैलती रही है। लेकिन आर्टिफिशल इंटैलिजैंस और हाइपर कनैक्टेड सोशल मीडिया के इस दौर में, अब अफवाहें कुछ ही मिनटों में पूरी दुनिया में फैल सकती हैं। जिससे अटकलों, प्रचार और डिजिटल हेरफेर के बीच की सीमा धुंधली हो जाती है। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कथित मौत से जुड़ी हाल की वायरल अफवाहें यह दिखाती हैं कि भू-राजनीतिक संकट के समय झूठी कहानियां कितनी तेजी से जोर पकड़ सकती हैं।

जब मध्य पूर्व में इज़रायल, ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा, तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ऐसे पोस्ट से भर गए, जिनमें दावा किया गया कि नेतन्याहू मारे गए हैं या गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। कुछ पोस्टों में ऐसे स्क्रीनशॉट भी साझा किए गए, जिनमें कथित तौर पर प्रधानमंत्री के अधिकारिक अकाउंट से उनकी मौत की घोषणा करने वाला मैसेज दिखाया गया था, जिसे कथित तौर पर कुछ ही देर बाद डिलीट कर दिया गया। अन्य पोस्टों में कहा गया कि नेतन्याहू का जनता को संबोधित करने वाला हाल का वीडियो असली नहीं है, ऑर्टिफिशल इंटैलिजैंस से बनाया गया है।

इनमें से कोई भी दावा सच नहीं था। फैक्ट चैकिंग करने वाले संगठनों और स्वतंत्र विश्लेषकों ने जल्दी ही साबित कर दिया कि ये स्क्रीनशॉट बनाए गए थे और नेतन्याहू के सत्यापित खातों पर ऐसा कोई संदेश कभी दिखाई ही नहीं दिया था। इज़रायली अधिकारियों ने भी पुष्टि की कि प्रधानमंत्री आधिकारिक बैठकों और सार्वजनिक ब्रीफिंग में हिस्सा लेते रहे।

फिर भी, पोस्ट में सुधार, और सही जानकारी सामने आने से पहले अफवाहें बहुत दूर तक फैल चुकी थीं। यह डिजिटल सूचना व्यवस्था की बार-बार सामने आने वाली विशेषता को दर्शाता है : सच्चाई की पुष्टि के मुकाबले गलत जानकारी ज्यादा तेजी से फैलती है।

एक खास दावा, जिसने ऑनलाइन लोगों का ध्यान खींचा, वह एक वीडियो के स्थिर फ्रेम पर आधारित था। कुछ लोगों को लगा कि उसमें नेतन्याहू के एक हाथ में छह उंगलियां दिखाई दे रही हैं। कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने इसे इस बात का सबूत मान लिया कि वीडियो कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बनाया गया है, क्योंकि शुरुआती एआई से बनी तस्वीरों में अक्सर हाथ टेढ़े-मेढ़े या ज्यादा उंगलियों वाले दिखाई देते थे।

असल में विशेषज्ञों ने पाया कि वह तस्वीर के एंगल और वीडियो फ्रेम में मोशन कलर की वजह से पैदा हुआ एक साधारण ऑप्टिकल इल्यूज़न थी। जब वीडियो को सामान्य गति में देखा गया,

- इसका नवीनतम उदाहरण है, इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की मौत की खबर। सोशल मीडिया पर ऐसे अनगिनत पोस्ट आए, जिनमें नेतन्याहू के मारे जाने की बात कही गई थी, किसी पोस्ट में इस सूचना का स्क्रीन शॉट था तो किसी की में वीडियो शेयर किया गया था।
- पर, जब तक फैक्ट चैकिंग टूल यह साबित कर पाते कि यह सारे स्क्रीन शॉट्स, वीडियो झूठे हैं और एआई से बनाए गए हैं, तब तक नेतन्याहू की मौत की खबर दुनियाभर में फैल चुकी थी।
- जब युद्ध चल रहा हो तो ऐसी अफवाहें मनोवैज्ञानिक रूप गहरा प्रभाव डालती हैं। अब यह जरूरी है कि जब कोई देश सशस्त्र संघर्ष में उलझा हो तो सैन्य रणनीति के साथ-साथ सूचना प्रबंधन पर भी पूरा फोकस करे, क्योंकि अनिश्चितता के माहौल में झूठ भी सच जैसा लगने लगता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो दिन में 92 हजार टन एल पी जी भारत पहुंचेगी

नई दिल्ली, 14 मार्च। देश में घरेलू रसोई गैस आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए दो भारतीय जहाज जल्द ही गुजरात के बंदरगाहों पर पहुंचने वाले हैं। इनमें कुल 92,000 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लदी हुई है और ये 16-17 मार्च को गुजरात के प्रमुख पोर्ट्स पर डॉक करेंगे। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अनुसार, इन जहाजों को प्राथमिकता के आधार पर बंदरगाह पर लगाने की व्यवस्था की गई है ताकि गैस आपूर्ति प्रभावित न हो। इससे रसोई गैस की उपलब्धता बनाए रखने और संभावित संकट को कम करने में मदद मिलेगी।

- दो जहाज 16-17 मार्च को गुजरात के बंदरगाहों पर पहुंचेंगे।

मंत्रालय के अधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने पत्रकार वार्ता में बताया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘आरवीटी-5’ और ‘आरवीटी-6’ रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व की नई उम्मीद बनीं

डेढ़ साल पहले बाघिन ‘आरवीटी-2’ की मौत के बाद बाघिन की दोनों बेटियां ‘आरवीटी-5’ और ‘आरवीटी-6’ बूंदी की नई उम्मीद के रूप में उभरी है

- युवा होती दोनों बाघिनें एनक्लोजर में कैद युवा बाघ ‘आरवीटी-7’ के नजदीक है तथा कई बार जालियों के इर्द-गिर्द मंडराती रहती है
- इसी इलाके में मध्यप्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व से लाई गई बाघिन ‘आरवीटी-9’ का भी मूवमेंट है, जिससे इलाके में बाघ की कमी खलने लगी है

बूंदी के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में डेढ़ साल पहले बाघिन आरवीटी-2 की मौत हो गई थी। (फाइल फोटो)

बूंदी, (निसं)। बूंदी के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में डेढ़ साल पहले हुई बाघिन ‘आरवीटी-2’ की दुखद मौत के बाद अच्छी खबर है कि बाघिन की दोनों बेटियां ‘आरवीटी-5’ और ‘आरवीटी-6’ बूंदी की नई उम्मीद के रूप में उभरी है। दोनों मादा शावक तीन साल की युवा बाघिनें हो चुकी हैं जो रामगढ़ महल के आसपास मेज नदी को अपनी टेरेटरी बना चुकी है। युवा होती दोनों बाघिनें एनक्लोजर में कैद युवा बाघ ‘आरवीटी-7’ के नजदीक है तथा कई बार जालियों के इर्द-गिर्द मंडराती रहती है। इसी इलाके में मध्यप्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व से लाई गई बाघिन ‘आरवीटी-9’ का भी मूवमेंट है, जिससे इस इलाके में बाघ की कमी खलने लगी है। इसके साथ ही बूंदी के जंगल में ही जन्मा बाघिन आरवीटी-3 का शावक भी करीब 15 माह का हो चुका है जो रामगढ़ का नया युवराज बनकर उभर रहा है। फिलहाल यह बाघ शावक अपनी मां ‘आरवीटी-3’ के साथ बूंदी शहर के नजदीक गुमान बावड़ी व भैरूपुरा वैली में शिकार के गुर सीख रहा है जो जल्दी ही अपनी अलग टेरेटरी बनाएगा। रणथंभौर टाइगर रिजर्व से लाई गई युवा बाघिन आरवीटी-8 बूंदी शहर से कालदां तक के जंगलों में अपनी टेरेटरी बना चुकी है, जिसे भी बाघ की तलाश है। एक युवा बाघ शॉफ्ट एनक्लोजर में बंद है जिसे भी खुले जंगल में छोड़ने की तैयारी है।

उम्रदराज होने लगा रामगढ़ का राजा:- रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व में रणथंभौर से खुद चलकर आया बाघ ‘आरवीटी-1’ अब 10 साल से अधिक का हो गया है और बाघिनों की संख्या बढ़ने व ब्लड ग्रुप परिवर्तन के लिए एक अन्य युवा बाघ की आवश्यकता है। टाइगर रिजर्व में वर्तमान में 5 बाघिन व 3 बाघ मौजूद है, लेकिन एक बाघ अभी अवयस्क व एक एनक्लोजर में बंद है। गौरतलब है कि युवा बाघिनें आरवीटी-5 व आरवीटी-6 इसी बाघ की बेटियां है। इस बाघ ने सरिस्का टाइगर रिजर्व से लाए गए बाघ ‘आरवीटी -4’ को इलाके की जंग में मौत के घाट उतार दिया था।

बीकानेर एसपी ऑफिस के बाहर खुद को आग लगाने वाले युवक की जयपुर में मौत

युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली थी, 80 प्रतिशत झुलस गया था

- मृतक रामलाल ने एक युवती पर परेशान करने का आरोप लगाया था, इसकी थाने में शिकायत भी दी थी
- रामलाल ने सोशल मीडिया पर खुद को भागू गांव का वार्ड पंच और भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा का वरिष्ठ उपाध्यक्ष बताया था

बीकानेर, (निसं)। एसपी ऑफिस के सामने 13 मार्च को खुद को आग लगाने वाले युवक की शनिवार सुबह मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बीकानेर में एसपी ऑफिस के सामने पेट्रोल छिड़ककर खुद को आग लगाने वाले पूर्व वार्ड पंच रामलाल (35) की उपचार के दौरान मौत हो गई। उनका इलाज जयपुर के सवाई मान सिंह हॉस्पिटल में चल रहा था। रामलाल सोशल मीडिया पर खुद को भाजपा नेता बताते थे। हालांकि भाजपा के देहात अध्यक्ष श्याम पंचारिया का कहना है कि रामलाल पार्टी से जुड़े हुए नहीं थे।

बीकानेर कोतवाली थाने के एएसआई तनेराव सिंह के अनुसार, खाजूवाला क्षेत्र के 4 बीजीएम भागू गांव के रहने वाले रामलाल 13 मार्च की दोपहर एसपी कार्यालय आए थे। उस समय एसपी कावेंद्र सिंह सागर अपने ऑफिस में थे। करीब तीन बजे अचानक एसपी ऑफिस से रामलाल चिल्लाते हुए बाहर निकले और खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। लपटों के बीच घिरे रामलाल को देख पुलिसकर्मी तुरंत दौड़े और आग बुझाकर उसे हॉस्पिटल पहुंचाया। 13 मार्च को गंभीर हालत में पूर्व वार्ड पंच रामलाल को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती किया गया था। यहां से जयपुर रेफर कर दिया गया था।

खाजूवाला सीओ अमरजीत सिंह चावला के अनुसार, रामलाल करीब 80 प्रतिशत तक झुलस गए थे। गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जयपुर रेफर किया गया था। इलाज के दौरान शनिवार सुबह करीब छह बजे जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में उनकी मौत हो गई। यह सूचना रामलाल के परिवार वालों ने सुबह करीब सात बजे पुलिस को दी।

पुलिस के अनुसार, रामलाल ने एक युवती पर परेशान करने का आरोप लगाया था। इस सिलसिले में उन्होंने थाने में शिकायत भी दी थी। बीकानेर एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने बताया कि बाद में रामलाल ने लिखित में अपनी शिकायत वापस ले ली थी। फोटो एसपी ऑफिस की है। पूर्व वार्ड पंच ने यहीं पर आत्मदाह का प्रयास किया था। उनकी जेब में रखे सभी डॉक्यूमेंट और मोबाइल तक जल गए थे। रामलाल ने 14 जुलाई 2020 को फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा था कि उसे हत्या की धमकी मिली है। उन्होंने कई लोगों को टैग भी किया था, लेकिन यह नहीं बताया था कि धमकी किसने दी।

रामलाल ने सोशल मीडिया पर खुद को भागू गांव का वार्ड पंच और भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा का वरिष्ठ उपाध्यक्ष बताया था। इसके अलावा उन्होंने खुद को भाजपा खाजूवाला मंडल का वरिष्ठ उपाध्यक्ष और किसान मोर्चा भाजपा का पूर्व महामंत्री भी लिखा था।

भाजपा के देहात अध्यक्ष श्याम पंचारिया का कहना है कि रामलाल को पिछले कई वर्षों से मैंने न तो अपने कार्यकाल में और न ही उससे पहले के कार्यकाल में कभी सक्रिय रूप से पार्टी में काम करते हुए देखा है। पहले वह वार्ड पंच रह चुके थे।

कीटनाशक छिड़काव से किसान की मौत : जोधपुर शहर के निकट माणकलाव क्षेत्र में एक कृषक की खेती का काम करते समय अचानक से तबीयत बिगड़ गई। उसे बाद में अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उसकी मौत हो गई। उसके चचेरे भाई की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

करवड़ पुलिस ने बताया कि बादूराम की ढाणी बड़ाबाग जैसलमेर निवासी मनोहर (24) यहां जोधपुर के माणकलाव क्षेत्र में रहता था। यहां खेतीबाड़ी करता था। वह खेत पर कार्य कर रहा था, तब कीटनाशक से बेहोश हो गया और तबीयत बिगड़ गई। उसे उपचार के लिए एमडीएम अस्पताल में भीं कराया गया। वहां उसकी मौत हो गई। उसके चचेरे भाई कालीबेरी सूरसागर निवासी कबीर पुत्र मोहन ने मर्ग में रिपोर्ट दी है। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया।

वायरल वीडियो का असर, चिड़ावा में डिस्कॉम एईएन निधि मिश्रा एपीओ

मेरा ट्रांसफर करवा दो बोलने वाली एईएन को एसई कार्यालय भेजा

चिड़ावा, (निसं)। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद अब बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई हो गई है। चिड़ावा में डिस्कॉम की एईएन निधि मिश्रा को एपीओ कर दिया गया है। खास बात यह है कि जिस वीडियो में वे तैश में यह कहते हुए नजर आई थी कि जो करना है कर लो, जाओ मेरा ट्रांसफर करवा दो...। अब संभवतया इसी मामले में उन्हें एपीओ कर मुख्यालय भेज दिया गया है।

मामला झुंझुनूं जिले के चिड़ावा कस्बे के खेतड़ी रोड स्थित पावर हाउस का है। यहां बिजली समस्याओं को लेकर अजमेर डिस्कॉम की एईएन निधि मिश्रा और भाजपा के पूर्व पार्षद रविकांत शर्मा के बीच तीखी नोकझोंक हो गई थी। इस बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। वीडियो में पूर्व पार्षद एईएन पर जनसमस्याओं का समाधान नहीं करने के आरोप लगाते दिखाई दे रहे थे। वहीं बहस के दौरान एईएन निधि मिश्रा भी तैश में आ गई और उन्होंने कहा कि अगर मैं ना तो कोई रिप्लाई दूंगी, ना कुछ करूंगी, जाओ मेरा ट्रांसफर करवा दो।

पूर्व पार्षद रविकांत शर्मा वार्ड 11, 14 और 32 में क्षतिग्रस्त बिजली पोल, नीचे लटकती बिजली लाइनों और भगीणिया जोहड़ तथा बावलिया बाबा स्मृति पार्क से गुजर रही 33 केवी लाइन को शिफ्ट करने की मांग को लेकर पावर हाउस पहुंचे थे। बताया गया कि इस संबंध में करीब तीन महीने पहले भी प्रार्थना पत्र दिया गया था, लेकिन कार्रवाई नहीं होने से नाराज होकर वे पावर हाउस पहुंचे और इसी दौरान दोनों के बीच बहस हो गई। माना जा रहा है कि मामले का वीडियो वायरल होने और मीडिया में प्रमुखता से उठने के बाद डिस्कॉम प्रशासन ने संज्ञान लिया। इसके बाद एईएन निधि मिश्रा को एपीओ कर दिया गया है और उन्हें झुंझुनूं के अधीक्षण अभियंता कार्यालय में लगाया गया है। डिस्कॉम की सचिव सीमा शर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। खास बात यह भी रही कि शनिवार को अवकाश होने के बावजूद सुबह ही एपीओ का आदेश निकाल दिया गया। माना जा रहा है कि सोशल मीडिया पर सामने आए इस विवाद का असर सीधे प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। हालांकि आदेशों में ऐसा कोई उल्लेख नहीं है। पर इसे इसी वीडियो से जोड़कर देखा जा रहा है।

बालोतरा कपड़ा फैक्टरी में तीन मजदूरों की मौत के मामले में लापरवाही सामने आई

- प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मजदूरों को बिना किसी सेफ्टी किट या ऑक्सीजन मास्क के टैंक के अंदर उतारा गया था
- रीको फेज स्थित एक निजी टेक्सटाइल इकाई (लालजी वाला मिल्स) में स्लज टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस के रिसाव ने तीन मजदूरों की जान ले ली थी

बालोतरा, (निसं)। औद्योगिक शहर बालोतरा में एक भीषण हादसा हो गया। रीको फेज स्थित एक निजी टेक्सटाइल इकाई (लालजी वाला मिल्स) में स्लज टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस के रिसाव ने तीन मजदूरों की जान ले ली। इस घटना ने एक बार फिर औद्योगिक सुरक्षा मानकों की पोल खोलकर रख दी है।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार दोपहर में फैक्टरी में केमिकल कचरे (स्लज) के टैंक की सफाई का काम चल रहा था। सफाई के लिए टैंक में उतरे तीन मजदूर वहां मौजूद जहरीली गैस की चपेट में आ गए। गैस इतनी घातक थी कि तीनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वे टैंक के भीतर ही बेहोश होकर गिर पड़े। अन्य श्रमिकों द्वारा शोर मचाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को बाहर निकालकर तुरंत नाहटा जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में गुमनाराम (30),श्रवण लाल (25), विशंभर दास (54) की मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे एसडीएम अशोक कुमार और प्रशासनिक अधिकारियों की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मजदूरों को बिना किसी सेफ्टी किट या ऑक्सीजन मास्क के टैंक के अंदर उतारा गया था। नियमानुसार, ऐसे गहरे और केमिकल युक्त टैंकों की सफाई के लिए विशेष सुरक्षा उपकरणों का होना अनिवार्य है, जिसकी फैक्टरी प्रबंधन ने अनदेखी की। बिना सुरक्षा उपकरणों के मजदूरों को टैंक में उतारना गंभीर लापरवाही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जैसे ही हादसे की खबर फैली, मृतकों के परिजनों और स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने नाहटा अस्पताल की मोर्चरी के बाहर सड़क जाम कर कहा कि दोषी फैक्टरी प्रबंधन के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज हो, मृतकों के परिवारों को उचित मुआवजा दिये जाने की मांग की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल और फैक्टरी क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की है।

राशन की दुकानों में करोड़ों के गेहूं के गबन का आरोप

कई लोगों को कई वर्षों में गेहूं का वितरण नहीं किया गया और एंट्री बता दी गई

- प्रवर्तन निरीक्षक की तरफ से लूणी तहसील के तीन क्षेत्रों में आई राशन की दुकान चलाने वालों पर केस दर्ज कराया
- पोश मशीनों से छेड़छाड़ के बाद मामला उजागर हुआ, लूणी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच आरंभ की

जोधपुर, (कासं)। गरीबों को मिलने वाले राशन के गेहूं पर करोड़ों के गबन का मामला सामने आया है। विभागीय जांच के बाद प्रवर्तन निरीक्षक की तरफ से लूणी तहसील के तीन क्षेत्रों में आई राशन की दुकान चलाने वालों पर केस दर्ज कराया गया है। गबन साल 2020 से लेकर अब तक बताया गया है। पोश मशीनों से यह छेड़छाड़ के बाद मामला उजागर हुआ है। फिलहाल लूणी पुलिस ने तीन अलग-अलग मामला दर्ज कर जांच आरंभ की है।

जिला रसद के प्रवर्तन अधिकारी राधेश्याम वैष्णव की तरफ से तीन राशन दुकानदार विक्रेताओं के खिलाफ यह रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि खेजड़ली कलां गांव में आई एक राशन की दुकान पर 1 जनवरी 20 से लेकर 21 जून 24, सरेचा गांव में 1 जनवरी 20 से लेकर 11 मई 21 तक एवं सजाडा की एक राशन दुकान पर 1 जनवरी 2020 से लेकर 13 मार्च 2026 तक गड़बड़ियां मिली।

राशन विक्रेताओं को दी गई पोश मशीनों में यह गड़बड़ी सामने आई है। कई लोगों को इन उक्त सालों में गेहूं का वितरण नहीं किया गया और एंट्री बता दी गई है।

विभागीय जांच के उपरांत गड़बड़ियां करने वाले तीन राशन दुकान चलाने वाले विक्रेताओं के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है। लूणी पुलिस ने तीन अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

दुष्कर्म का आरोपी 15 महीने बाद गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपी को प्रेमनगर से पकड़ा

अनूपगढ़, (निसं)। पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे 20 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले 15 महीने से फरार था।

एसएचओ ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने बताया कि दिसंबर 2024 को परिवादी ने अपनी नाबालिग पुत्री के साथ हुए दुष्कर्म के संबंध में मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की थी। दर्ज मामले के बाद से ही आरोपी लगातार फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने आरोपी पर 20 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। लगातार तलाश के बाद पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस गिरफ्तारी में एएसआई कालूराम, कांस्टेबल कृष्ण कुमार और सतनाम सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

टेम्पो खाई में गिरा, चाचा-भतीजे सहित तीन जनों की मौत

बिजली की खराब डीपी ले जा रहे ग्रामीणों का वाहन खाई में गिरने से हादसा हुआ

- हादसे के बाद बिजली विभाग ने फॉल्ट रिमूवल टीम के ठेका कर्मचारी को हटा दिया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के गोगुंदा थाना क्षेत्र में बिजली की खराब डीपी ले जा रहे ग्रामीणों का वाहन खाई में गिरने के मामले में शुक्रवार देर रात इलाज के दौरान एक और घायल की मौत हो गई। मृतक मोहब्बत सिंह (65) का इलाज एमबी हॉस्पिटल चल रहा था। शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। शुक्रवार शाम हुए इस हादसे में भोपाल सिंह (55) पुत्र पन सिंह और राम सिंह (45) पुत्र भेरू सिंह की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतक मोहब्बत और रामसिंह सगे चाचा-भतीजे थे। शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के शव को एमबी हॉस्पिटल मॉर्च्यूरी में रखवाया। जबकि बाकी दो शव गोगुंदा हॉस्पिटल मोर्चरी में रखे हैं।

इस मामले में बिजली विभाग की लापरवाही बताते हुए शनिवार को करणी सेना ने उपखंड कार्यालय गोगुंदा के बाहर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। श्री राष्ट्रीय राजूपत करणी सेना जिलाध्यक्ष अर्जुनसिंह चुंडावत ने बताया कि मृतक के परिवार में से एक को संविदा पर नौकरी और 50-50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए, लापरवाही पर कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए और जब तक मांग पूरी नहीं होगी, तब तक शवों का पोस्टमॉर्टम नहीं कराया जाएगा।

जानकारी के अनुसार हादसा गोगुंदा-सायरा मार्ग पर शुक्रवार शाम करीब चार बजे श्रीमालियों की मादडी के पास हुआ था। गुडा गांव के एक मोहल्ले में बिजली नहीं आ रही थी। इस पर फॉल्ट रिमूवल टीम (एफआरटी) के कर्मचारी महावीर सिंह ने डीपी को खुलवा दिया। ग्रामीणों से कहा कि इसे गोगुंदा लेकर जाओ और बदलवाकर ले आओ। ग्रामीण डीपी लेकर रवाना हुए और गोगुंदा जाते समय लोडिंग टेंपो खाई में गिर गया। हादसे में भोपाल सिंह (55) पुत्र पन सिंह और राम सिंह (45) पुत्र भेरू सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बिजली विभाग ने फॉल्ट रिमूवल टीम के ठेका कर्मचारी को हटा दिया। हादसे में घायल अभय सिंह और लक्ष्मण सिंह का इलाज जारी है।

गीता धाम संस्थान में गबन का आरोप

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट तिंवरी में आए गीताधाम संस्थान में राशि का गबन किया गया। प्रशासक की तरफ से एक कार्मिक को नामजद कर मथानिया थाने में इसकी रिपोर्ट दी गई है।

- कार्मिक पर 7.12 लाख की धोखाधड़ी का आरोप लगा

मथानिया पुलिस ने बताया कि बैगूसराय बिहार हाल गीताधाम, घेवड़ा बड़ा कोटेचा तिंवरी के प्रशासक निरंजन कुमार रंजन की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि गीताधाम में काम करने वाले प्रवीण नाम के शख्स ने यहां पर कार्य करते समय 7 लाख 12 हजार 650 रूपए का गबन किया। वह यहां पर 31 अक्टूबर 2023 से लेकर 31 मई 2025 तक कार्यरत था। लेखा ऑडिट में गबन का पता लगने पर अब केस दर्ज कराया गया है। मथाानिया पुलिस मामले में अग्रिम जांच कर रही है।

मधुमक्खियों के हमले में आधा दर्जन घायल, एक बच्चे की हालत गंभीर

गेहूं की कटाई के दौरान हुआ हादसा, घायलों का मसूदा उप जिला चिकित्सालय में उपचार जारी

- घबराए लोगों का मधुमक्खियों ने करीब एक किलोमीटर तक पीछा किया, जिससे कई लोग घायल हो गए

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र के ग्राम भवानी खेड़ा में शनिवार को खेत पर गेहूं की कटाई के दौरान अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। इस हमले में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए, जिनमें एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को मसूदा उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ द्वारा उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार खेत में कुछ लोग गेहूं की कटाई कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों का झुंड आ गया और वहां काम कर रहे लोगों पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से खेत में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। पूर्व पंचायत समिति सदस्य प्रवीण सिंह ने बताया कि सभी लोग खेतों में गेहूं की कटाई कर रहे थे, तभी अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। घबराए लोगों का मधुमक्खियों ने करीब एक किलोमीटर तक पीछा किया, जिससे कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों की सहायता से मसूदा उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों की अस्पताल में भीड़ लग गई।

डोडा-पोस्त के साथ दो गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। नशा मुक्त अभियान के तहत पुलिस टीम ने एक हिस्ट्रीशीटर और उसके साथी से करीब 3 लाख रुपए की कीमत का 21 किलो डोडा-पोस्त बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

डीएसटी प्रभारी ने बताया कि जिले के लांबाहरिसिंह थाना क्षेत्र के सिन्दोलिया में अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त की सप्लाई की मिली शिकायत के बाद टीम ने मौके पर मिले आरोपियों के कब्जे से एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा, डोडा-पोस्त को पीसने के काम में आने वाली मिक्सर ग्राइंडर, खरीद फरोख्त के 2 हजार रुपए और 2 मोबाइल जब्त किए हैं, डोडा-पोस्त लाने के नेटवर्क की गहनता से जांच जारी है। कार्यवाही में हिस्ट्रीशीटर शंकर कुम्हार एवं भंवरलाल जाट को गिरफ्तार किया।

उदयपुर में मामूली विवाद में युवक की हत्या

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के परसाद थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम वन विभाग की नर्सरी के पास हुई चाकूबाजी की घटना में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस को प्राथमिक जांच मामला आपसी रंजिश का लग रहा है। घायल युवक को पहले परसाद हॉस्पिटल भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर उसे उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया, जहां देर रात इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 20 वर्षीय प्रदीप (पिंटू)पुत्र कालूलाल मीणा निवासी नेरा फला के रूप में हुई है। मृतक का शव शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया

जानकारी के अनुसार मृतक प्रदीप दशामाता पूजन के लिए घर का सामान लेने परसाद गया हुआ था। इसी दौरान शाम करीब सात बजे वन विभाग की नर्सरी के पास कुछ युवकों के साथ उसकी मामूली कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर दूसरे पक्ष के युवकों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। शरीर पर करीब तीन से चार वार किए, जिससे प्रदीप खून से लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया। इतने में हमलावर उसे घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गए। राहगीरों की मदद से पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तुरंत परसाद हॉस्पिटल पहुंचाया गया।,जहां हालत गंभीर होने पर उसे एमबी हॉस्पिटल रेफर किया, यहां देर रात उसने दम तोड़ दिया।

परसाद थानाधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि रोड पर आपसी कहासुनी होने पर चार से पांच युवकों ने चाकूबाजी कर हत्या कर दी। इनमें किस बात को लेकर झगड़ा हुआ था, इसका पता आरोपियों की गिरफ्तारी और जांच होने के बाद पता लगेगा। पुलिस आसपास सीसीटीवी खंगालते हुए आरोपियों की तलाश में जुटी है। मृतक अहमदाबाद में मजदूरी का काम करता था। हाल ही होली पर्व पर घर आया हुआ था।

'राजस्थान के टपूकड़ा संयंत्र में इसी साल शुरू होगा होण्डा के इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया होण्डा के पहले ईवी मॉडल का अनावरण

जयपुर (कासं)। होण्डा की ओर से पहला इलेक्ट्रिक वाहन प्रदेश के टपूकड़ा संयंत्र में बनेगा, जिसका उत्पादन इसी वर्ष शुरू होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में होण्डा कार्स इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में होण्डा के पहले ईवी मॉडल (होण्डा 0 अल्फा) का अनावरण किया।

'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' की तैयारियों के तहत सितंबर 2024 में जापान यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने होण्डा के शीर्ष प्रबंधन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड' के आव्हान के समर्थन में राजस्थान में ईवी मॉडल निर्माण एवं निवेश के लिए आमंत्रण किया था। साथ ही, आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया था। जिसको लेकर होण्डा के प्रतिनिधिमंडल ने खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में होण्डा कार्स इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में होण्डा के पहले ईवी मॉडल (होण्डा 0 अल्फा) का अनावरण किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरित ऊर्जा एवं ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने और रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। साथ ही, देश के ऑटोमोटिव भविष्य में राज्य की मजबूत भूमिका के लिए निवेशों का समर्थन करती है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं होने एवं इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन यहां होने से अर्थव्यवस्था की गति और तेज होगी। शर्मा ने कहा कि होण्डा टपूकड़ा संयंत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रमुख उत्पादन केंद्र बनाने जा रही है, जो राजस्थान की प्रभावशाली निवेश नीतियों पर वैश्विक विश्वास का बेहतरीन प्रमाण है। इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण की दिशा में इसके बाद और निवेश बढ़ने की प्रबल संभावना होगी। साथ ही, पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता कम करने एवं पर्यावरणीय संतुलन के साथ औद्योगिक विकास की यात्रा में यह कदम मील का पत्थर साबित होगा।

> ■ **होण्डा द्वारा पहले इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन के लिए राजस्थान के टपूकड़ा संयंत्र को चुनना गर्व की बात : भजनलाल शर्मा**

मुख्यमंत्री ने कहा कि होण्डा कम्पनी का राजस्थान से जुड़ाव काफी पुराना है। 2007 में कम्पनी के संयंत्र का शिलान्यास, 2014 में वाहनों का उत्पादन प्रारम्भ होना और अब 2026 में भी इलेक्ट्रिक वाहनों के पहले उत्पादन के लिए टपूकड़ा संयंत्र का चयन राजस्थान के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से स्वच्छ परिवहन की दिशा में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने हेतु ईवी खरीद पर अनुदान, सिंगल विण्डो सिस्टम के साथ चार्जिंग स्टेशन्स की स्थापना की जा रही है। साथ ही, 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहन को स्क्रैप कराने एवं नए वाहन की खरीद पर 'राजस्थान वाहन स्क्रैपिंग नीति' के तहत छूट भी दी जा रही है।

बैठक के दौरान कंपनी की ओर से भारत में अपने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के विस्तार के लिए योजनाएं भी साझा की गई। साथ ही बताया गया कि यहां उत्पादित मेड इन इंडिया ईवी मॉडल घरेलू बाजार के साथ ही कई देशों में निर्यात किए जाएंगे।

होण्डा कार्स इंडिया लिमिटेड के प्रेसिडेंट एवं सीईओ ताकाशी नाकाजिमा ने बताया कि टपूकड़ा संयंत्र भारत में होण्डा के लिए एक प्रमुख उत्पादन केंद्र है, जो भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए कारों और पुर्जों का निर्माण करता है। अब इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर कंपनी की ओर से लिया गया यह फैसला महत्वपूर्ण साबित होगा।

उन्होंने बताया कि होण्डा ने अपने सप्लायर्स और दोपहिया संयंत्र के जरिए राजस्थान में ऑटो और ऑटोपार्ट्स की सप्लाई चेन का एक पूरा इको-सिस्टम तैयार किया है। बैठक में जापान से आए होण्डा प्रतिनिधिमंडल के सदस्य, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

द्रव्यवती नदी में अशोधित सीवर रोकने का काम जून तक पूरा करने के निर्देश

नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव ने किया मौका निरीक्षण

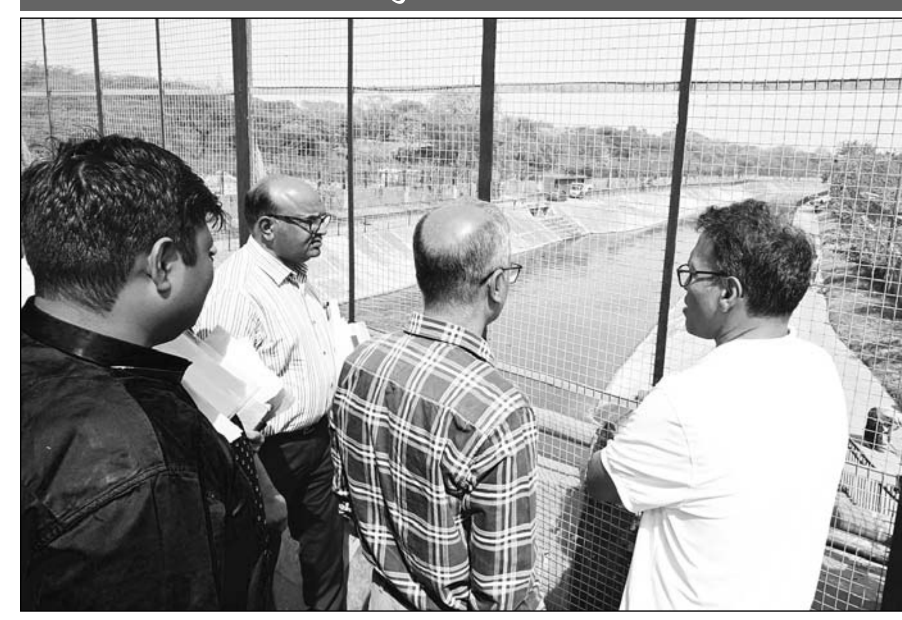

नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने शनिवार को जयपुर में द्रव्यवती नदी प्रोजेक्ट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन, निदेशक अभियांत्रिकी देवेन्द्र गुप्ता और संबंधित अधिशासी अभियंता मौजूद थे।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने शनिवार को जयपुर में द्रव्यवती नदी के जल को स्वच्छ बनाए रखने और अशोधित सीवर रोकने के कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन, निदेशक अभियांत्रिकी प्रथम देवेन्द्र गुप्ता, संबंधित अधिशासी अभियंता तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान उन्हें बताया गया की दहलावास एसटीपी को जाने वाली सीवर लाइन में क्षमता से अधिक सीवर प्राप्त होने के कारण अतिरिक्त सीवर को डायवर्ट कर द्रव्यवती नदी में प्रवाहित किया जा रहा था। इस समस्या के समाधान के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के तहत नई सीवर पाइपलाइन डालने का कार्य प्रारंभ किया गया है, जिसके माध्यम से अतिरिक्त सीवर को पूर्व स्थापित 100 एमएलडी एसटीपी से जोड़ा जा रहा है, ताकि सीवर का समुचित शोधन सुनिश्चित किया जा सके और द्रव्यवती नदी में प्रदूषण रोका जा सके।प्रमुख शासन सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह कार्य जल्द पूर्ण किया जाए, ताकि राज्य सरकार के मंशानुरूप द्रव्यवती नदी के जल को स्वच्छ बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को मजबूती मिल सके।

बीएसएनएल के पूर्व अतिरिक्त महाप्रबंधक को दोषमुक्त किया

जयपुर। जयपुर मेट्रो-प्रथम की सीबीआई मामलों की विशेष कोर्ट ने 10 साल पुराने रिश्वत मामले में बीएसएनएल के तत्कालीन अतिरिक्त महाप्रबंधक बिपिन कुमार रॉय को दोषमुक्त कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि केवल रिश्वत राशि की बरामदगी मात्र से ही आरोपी के खिलाफ आरोप साबित नहीं मान सकते। यह भी जरूरी है कि अभियोजन पक्ष ठोस साक्ष्यों के जरिए साबित करे कि आरोपी ने वास्तव में रिश्वत मांगी और उसे स्वेच्छा से स्वीकार किया था। अभियोजन पक्ष आरोपी का रिश्वत की मांग और उसकी स्वैच्छिक स्वीकृति को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा है।

मुख्यमंत्री ने एलपीजी सिलेंडर वितरण पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में एलपीजी सिलेण्डर की वितरण प्रणाली पर कड़ी निगरानी रखने एवं जमाखोरी व कालाबाजारी जैसी गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में घरेलू एलपीजी सिलेण्डर की आपूर्ति के लिए कोई कमी नहीं है तथा आम उपभोक्तओं को इसकी निर्बाध आपूर्ति जारी है। शर्मा ने कहा कि आम जनता में घरेलू एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता को लेकर विश्वास बनाए रखा जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता या दुरुपयोग पाए जाने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि हेल्पलाइन नंबर 181, 112 और 14435 पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का भी त्वरित और प्राथमिकता पर समाधान किया जाए। साथ ही, उन्होंने अफवाहएवं भ्रामक सूचना फैलाने वालों पर निगरानी रखते हुए सख्त से सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि एलपीजी उपलब्धता से लेकर आपूर्ति तक की मॉनिटरिंग की जा रही है तथा ग्राउंड लेवल पर अधिकारियों की टीमों द्वारा निरीक्षण एवं कार्रवाइयां की जा रही हैं। बैठक में राज्य स्तरीय समन्वय ऑयल कम्पनीज के प्रतिनिधि ने एलपीजी के स्टॉक एवं सप्लाई की जानकारी दी।

> ■ **गैस सिलेंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी पर कार्रवाई के निर्देश**

मुख्यमंत्री करेंगे "एक जिला-एक उत्पाद' प्रदर्शनी का शुभारंभ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राजस्थान दिवस (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) के अवसर पर प्रदेश में 14-19 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस क्रम में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा 15-19 मार्च तक राज्य स्तरीय ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही, सभी जिलों में आयोजित होने वाली ओडीओपी प्रदर्शनी के क्रम में जिला स्तरीय प्रदर्शनी 'जयपुर रत्नम्' का आयोजन होगा।

एसीएस होम-एसीएस डीओपी व पंकज चौधरी मध्यस्थता के जरिए सुलझाएं विवाद : कैट

जयपुर। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण की जयपुर बेंच ने पदोन्नित मामले में आईपीएस पंकज चौधरी सहित अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह (एसीएस होम) और अतिरिक्त मुख्य सचिव कार्मिक (एसीएस डीओपी) को कहा है कि वे मध्यस्थता व आपसी बातचीत के जरिए विवाद को सुलझाएं। साथ ही कैट ने तीन सप्ताह का समय देते हुए उम्मीद जताई है कि इस बातचीत के सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। कैट ने यह निर्देश पंकज चौधरी के मूल प्रार्थना पत्र पर दिया। कैट ने कहा कि पक्षकारों से जुडे कई प्रार्थना पत्र उनके यहां लंबित हैं। प्रार्थी राज्य में एक आईपीएस अफसर है और उनके समक्ष लंबित मामले समान प्रकृति के हैं। कैट की राय है कि इससे कोर्ट और राजस्थान पुलिस प्रशासन का कीमती समय बचेगा जो प्रदेश की जनता के हित में हैं। एक बेहतरीन पब्लिक सर्विस के अफसरों की सेवाओं का जनता के लिए अच्छा उपयोग किया जाना चाहिए। दरअसल पिछली सुनवाई पर कैट ने राज्य सरकार को कहा था कि वह डीपीसी के तहत उनके बकाया चल रहे प्रमोशन पर प्रोविजनल तौर पर विचार करे। प्रार्थी के अधिवक्ता अनुपम अग्रवाल ने बताया कि राज्य सरकार ने अभी तक जवाब नहीं दिया है। प्रार्थी के खिलाफ चल रहे केसों के कारण तीन प्रमोशन बकाया हैं। इनमें साल 2018 से जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव और 2021 से सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव रैंक के प्रमोशन शामिल हैं। साल 2023 से उनका डीआईजी रैंक का प्रमोशन रुका हुआ है। जिन मामलों की वजह से उनका प्रमोशन रोका है, उनकी जांच पूरी नहीं हुई है।

हाउसिंग बोर्ड को अवाप्तशुदा जमीन मामले में राहत

माण्डया एन्क्लेव समिति के पक्ष में दिया स्टे आदेश रद्द

जयपुर (कासं)। गोनेर के सिरोली में हाउसिंग बोर्ड की 15 साल पहले अवाप्त की गई करीब 100 करोड़ रुपए की 5.90 हेक्टेयर जमीन से जुड़े मामले में जयपुर मेट्रो- प्रथम की एडीजे कोर्ट-एक ने सिविल कोर्ट के 21 जनवरी 2026 के माण्डया एन्क्लेव योजना विकास समिति के पक्ष में दिया आदेश रद्द कर दिया है।

एडीजे कोर्ट ने कहा कि दावाकर्ता समिति जेडीए के जिन पट्टों के आधार पर जमीन पर अपना स्वामित्व लेकर आए हैं, उन पट्टों के संबंध में विवादित भूमि की 90 ए की कार्रवाई जेडीए ने ही निरस्त कर दी है। वहीं विवादित जमीन हाउसिंग बोर्ड के अवाप्तधीन होना जमाबंदी में भी अंकित है। ऐसे में दावाकर्ता जेडीए की ओर से जारी किए गए पट्टों के आधार पर किसी तरह का अधिकार प्रथम दृष्टया साबित नहीं कर पाए हैं। इसलिए सिविल कोर्ट का अस्थाई निषेधाज्ञा का आदेश गलत है और रद्द किए जाने योग्य है।

> ■ **गोनेर के सिरोली में हाउसिंग बोर्ड की 15 साल पहले अवाप्त की गई करीब 100 करोड़ रुपए की 5.90 हेक्टेयर जमीन का प्रकरण**

एडीजे कोर्ट ने यह आदेश हाउसिंग बोर्ड की अपील पर दिया। अधिवक्ता बीसी भारद्वाज ने बताया कि संबंधित जमीन की अवाप्ति के लिए हाउसिंग बोर्ड ने 12 अगस्त 2010 को ही अवाप्ति नोटिस जारी कर 16 सितंबर 2011 को इसका नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया। संबंधित भूमि पहले से अधिग्रहण प्रक्रिया में है और 13 अप्रैल 2017 को अंतिम अवॉर्ड भी पारित हो चुका है। इसे समिति ने चुनौती नहीं दी है और समिति के पेश पट्टों की वैधता भी विवादित है। ऐसे में सिविल कोर्ट ने समिति के पक्ष में दिया स्टे आदेश गलत है जिसे रद्द किया जाए।

गौरतलब है कि समिति ने 2025 में सिविल कोर्ट में दायर दावे में कहा था कि सिरोली स्थित कई खसरा नंबरों की जमीन पर उनके सदस्यों के प्लॉट हैं। जेडीए से 2013 में भूमि उपयोग परिवर्तन स्वीकृत हुआ और उन्हें प्लॉटों के पट्टे जारी किए थे। लेकिन हाउसिंग बोर्ड 16 सितंबर 2011 की अधिसूचना पर उनकी योजना के भूखंडों पर कब्जा करना चाह रहा है और निर्माण कार्य में रुकावट कर रहा है। सिविल कोर्ट ने 21 जनवरी 2026 के आदेश से हाउसिंग बोर्ड को जमीन पर दखल करने से रोका था।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की पाइप लाइन से तेल चुराने वाला अंतर्राज्यीय गिरोह पकड़ा

सरगना समेत चार बदमाश एस.ओ.जी. टीम के हत्थे चढ़े, एक तकनीकी विशेषज्ञ फरार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की पाइपलाइन से पेट्रोलियम पदार्थ चोरी करने वाले एक सक्रिय अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। एसओजी ने इस मामले में मुख्य सरगना सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक तकनीकी विशेषज्ञ अभी फरार है। पूरी कार्रवाई अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल के निर्देशन में की गई।

एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि यह वारदात पाली जिले के सेन्दड़ा थाना क्षेत्र के रामगड़ गांव में अगस्त 2023 में अंजाम दी गई थी। आरोपियों ने ब्यावर-रामगढ़ क्षेत्र से गुजर रही केजेपीपीएल पाइपलाइन को पंक्चर कर उसमें अवैध रूप से वाल्व लगा दिया था।

> ■ **बदमाशों को हाई-प्रेशर पाइपलाइन पंक्चर करने का तकनीकी ज्ञान नहीं था, इसलिए अहमदाबाद से लाखों रुपए का लालच देकर पंकज वाघेला को बुलाया**

इस संबंध में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंधक शेर सिंह चौहान ने 5 अगस्त 2023 को सेन्दड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पाइपलाइन में ज्वलनशील पेट्रोलियम पदार्थ होने के कारण बड़ी दुर्घटना या आग लगने का खतरा भी बना हुआ था, जिससे मामला बेहद गंभीर माना गया।

पूछताछ में सामने आया कि गिरोह का सरगना जितेन्द्र सिंह उर्फ जीतू महाराज ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस चोरी की योजना बनाई थी। चूंकि हाई-प्रेशर पाइपलाइन को पंक्चर करने का तकनीकी ज्ञान इनके पास नहीं था, इसलिए उन्होंने अहमदाबाद (गुजरात) निवासी पंकज वाघेला को लाखों रुपये का लालच देकर बुलाया।

वाघेला ने जनरेटर और अन्य उपकरणों की मदद से लक्ष्मण सिंह रावत के खेत में गुजर रही पाइपलाइन को पंक्चर कर उस पर वाल्व वेल्ड कर दिया, जिससे चोरी करना आसान हो गया। आरोपियों ने चोरी को छिपाने के लिए वाल्व के चारों ओर मिट्टी के कट्टे भरकर उसे दबा दिया और ऊपर से ट्रैक्टर से जुताई कर दी, ताकि किसी को शक न हो।

एक रात जब आरोपी टैंकर लेकर तेल निकालने पहुंचे तो पाइपलाइन में बहाव कम होने के कारण अधिक मात्रा में तेल नहीं निकाल पाए। वापसी के दौरान उनका टैंकर खेत की दलदली जमीन में फंस गया। टैंकर को ट्रैक्टरों की मदद से निकालते समय खेत की सतह पर आए बदलाव और ढीली मिट्टी को देखकर आईओसीएल की गश्त टीम को संदेह हुआ, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हो गया।

एसओजी ने इस मामले में जितेन्द्र सिंह उर्फ जीतू महाराज (31) निवासी निचला बाड़िया , देवेन्द्र सिंह (32) निवासी रामगढ़ सेडोतान, प्रताप शेर सिंह उर्फ शेरू (36) निवासी केसरपुरा, प्रेम सिंह (48) निवासी केसरपुरा को गिरफ्तार किया है और इस मामले में अहमदाबाद निवासी तकनीकी विशेषज्ञ पंकज वाघेला फिलहाल फरार है। एसओजी उसकी तलाश में जुटी हुई है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और इस तरह की संभावित वारदातों के नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

महिलाओं व बच्चियों तक पहुंचे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई महिला अधिकारिता निदेशालय की समीक्षा बैठक

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में महिला अधिकारिता निदेशालय द्वारा संचालित महिला अधिकारों के संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महिला अधिकारिता निदेशालय द्वारा संचालित उड़ान योजना के तहत बालिकाओं और महिलाओं को दिए जाने वाले नि:शुल्क सेनेटरी नैपकिन आपूर्ति समयबद्धता से सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने सामूहिक विवाह अनुदान योजना के अंतर्गत योजना के दिशा निर्देशों एवं पोर्टल का अध्ययन कर उसे आमजन हेतु सुगम एवं प्रभावी बनाने निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के तहत भारत सरकार से बकाया बजट प्राप्त कर, बजट का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दिया कुमारी ने पिछले वर्ष की बजट घोषणाओं को समयबद्धता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने आगामी वित्तीय वर्ष की बजट घोषणाओं को भी समय पर पूर्ण करने हेतु आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को सचिवालय में महिला अधिकारिता निदेशालय द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने लाडो प्रोत्साहन योजना अन्तर्गत बालिकाओं को लाभान्वित करने हेतु योजना का प्रभावी पर्यवेक्षण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को रोजगारोन्मुखी बनाने हेतु निर्देश दिए।

युवा नौकरी लेने वाले नहीं, देने वाले बनें : मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवाओं से आव्हान किया कि उद्योग के क्षेत्र में आगे बढ़े, नौकरी लेने वाले नहीं, बल्कि देने वाले बने। राज्य सरकार हर वर्ग और क्षेत्र के विकास का रोडमैप बनाकर काम कर रही है। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर, देवास परियोजना सहित अन्य पेयजल एवं सिंचाई परियोजनाओं पर प्राथमिकता से काम किया गया है। उद्योगों को भी पर्याप्त पानी देने के लिए काम कर रही है। ऊर्जा के क्षेत्र में 8 हजार 261 मेगावाट की उत्पादन क्षमता बढ़ाई गई है। फिलहाल 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक सम्पूर्ण प्रदेश में किसानों को दिन में बिजली दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह बात शनिवार को भांकरोटा में अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े उद्योगपतियों ने मिलकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया। उद्योग, व्यापार और रोजगार में वैश्य समाज का योगदान किसी से छुपा नहीं है।

देश का पहला अंतर्राष्ट्रीय स्तर का चर्म रोग संस्थान एस.एम.एस. हॉस्पिटल में

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेशवासियों को जल्द ही राजकीय क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर की चर्म रोग चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सवाई मानसिंह चिकित्सालय, जयपुर के चरक भवन में देश का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का इंस्टीट्यूट ऑफ डर्मेटोलॉजी बनकर तैयार है। जल्द ही इसे शुरू किया जाएगा। निजी अस्पतालों में लाखों रूपए में होने वाला उपचार यहां आमजन को न्यूनतम दरों पर मिल सकेगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शनिवार को सवाई मानसिंह अस्पताल स्थित इस इंस्टीट्ययूट का निरीक्षण किया। उन्होंने इस इंस्टीट्यूट का जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि लंदन के बाद विश्व का यह दूसरा सबसे एडवांस एवं उत्कृष्ट संस्थान है, जो डर्मेटोलॉजी के क्षेत्र में उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाएगा। इस संस्थान में 6 प्रकार की अत्याधुनिक लेजर मशीनें जैसे डायोड लेजर और फ्रेक्शनल कॉबर्न डाई ऑक्साइड लेजर, एक्साइमर लेजर, एनडी-याग लेजर व अलेकजन ड्राइड लेजर स्थापित किये हैं, जो समस्त प्रकार की जन्मजात कॉस्मेटिक बीमारियों में काम में लिये जाते हैं। राठौड़ ने बताया कि इस संस्थान में पीआरपी पद्धित द्वारा बाल उगाने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। यहां पर हाइफू मशीन द्वारा स्किन टाइट करके झुर्रियां हटाने का इलाज भी किया जायेगा। लेजर पद्धित द्वारा सफेद दागों व सोरायसिस का इलाज एवं रेडियो फ्रीक्वेंसी व कायो द्वारा विभिन्न चर्म रोगों के इलाज की सुविधा भी यहां उपलब्ध कराई जायेगी। इस प्रकार का एडवांस कॉस्मेटिक उपचार, जो प्राइवेट कॉस्मेटिक संस्थानों में लाखों रुपये में मिलता है, यहां न्यूनतम दरों पर मिल सकेगा। प्रमुख शासन सचिव ने सवाई मानसिंह अस्पताल में नवनिर्मित इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवेस्कुलर साइंसेज का भी निरीक्षण किया।

राजस्थान बनेगा एनर्जी ट्रेडिंग का केन्द्र : नागर

जयपुर। भारत का विद्युत क्षेत्र तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा और बदलते बाजार रुझानों के साथ विकसित हो रहा है, जिससे बिजली की कीमतों में उतार-चढ़ाव बढ़ा है। इन बारीकियों को समझने के लिए इनोवेटिव एनर्जी रिसोर्स एसोसिएशन और एमसीएक्स की ओर से "मार्केट डेरिवेटिव्स व विकसित होता विद्युत क्षेत्र" विषय पर शनिवार को एम.आई.रोड स्थित एक होटल में सेमीनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सत्र में वर्चुअल माध्यम से जुड़े ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन की वैश्विक क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। जिसमें राजस्थान अपनी 42 जीबी की रिन्यूएवल क्षमता के साथ देश का सिरमौर बना हुआ है। नागर ने कहा कि हमारा उत्पादन बढ़ने के साथ साथ कीमतों की अनिश्चितता भी चुनौती के रूप में सामने आई है, ऐसे में डेरिवेटिव मार्केट ने उत्पादक व उपभोक्ता दोनों को सुरक्षा प्रदान की है।

रसायन विज्ञान का पर्यावरण मित्र के रूप में हो उपयोग : प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर, (कासं)। भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय एवं जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में रसायन विभाग द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन रासायनिक अनुसंधान और नवाचार के अग्रिम क्षेत्र विषय को लेकर मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से प्रारंभ हुआ।

कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष डॉ .रेणू राठौड

- **रासायनिक अनुसंधान और नवाचार के अग्रिम क्षेत्र विषय पर दो दिवसीय तीसरी अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार शुरू**

ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कॉन्फ्रेंस के विषय पर प्रकाश डाला। प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र में अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि डॉ रामा मोहन हिंदपुर, हेड प्रोसेस रिसर्च एवं डवलपमेंट- फ्लो केमिस्ट्री फ्रॉम द पेस्टिसाइड इंडस्ट्री, उदयपुर ने सभी को

भूपाल नोबल्स विवि व जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ।

संबोधित करते हुए मानव- प्रकृति सामजस्य पर बल देते हुए कहा कि प्रकृति को केवल आर्थिक लाभ के लिए महत्व देने के बजाय उसके आंतरिक महत्व को समझने की दिशा में एक बदलाव की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए डॉ एस सी तिवारी,भूतपूर्व डायरेक्टर ,रोटम एग्रोकेमिकल्स, हॉन्गकोंग और वर्तमान में टेक्निकल एडवाइजर इंडिया पेस्टिसाइड लिमिटेड लखनऊ ने पर्यावरण, सामाजिक और ईएसजी के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सतत प्रौद्योगिकी को महत्वपूर्ण बताया साथ ही उन्होंने कहा कि रासायनिक अनुसंधान के क्षेत्र में सतत ऊर्जा, नैनो तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग नवाचार हेतु किया जा रहा है। इस अवसर पर डॉ सौरव कुमार, सीनियर डायरेक्टर सन रीजन इंटरनेशनल इंडस्ट्रीज ने अपने उद्बोधन में कहा कि अनुसंधान प्रयोगशाला की अभिक्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि नई दवाओं के विकास (चिकित्सा), पर्यावरण अनुकूल सामग्री, नैनो तकनीक और टिकाऊ ऊर्जा समाधानों के माध्यम से मानव जीवन को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। कॉन्फ्रेंस के मुख्य संरक्षक एवं मानद प्रो कर्नल शिवसिंह सारंगदेवोत ने रसायन विज्ञान को आधुनिक स्वास्थ्य की नींव कहा जो उन्नत दैनिक साधनों के माध्यम से स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। साथ ही उन्नत रिसर्च स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में केंद्रीय भूमिका निभाता रहा है। कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष ने सभी अतिथियों का उपरणा एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कॉन्फ्रेंस संरक्षक डॉ महेंद्र सिंह राठौड ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए वैचारिक प्रदूषण को समाप्त करने पर बल दिया तथा श्रीमान मोहब्बत सिंह राठौड,प्रबंध निदेशक भूपाल नोबल्स संस्थान ने कॉन्फ्रेंस के सफल आयोजन हेतू अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस कांफ्रेंस से प्राप्त निष्कर्ष शोध के लिए नई दिशाएं एवं मानक तय करेंगे।

पैसिफिक डेंटल कॉलेज देबारी बना विजेता

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का आयोजन 9 से 13 मार्च तक खेलगांव एवं करणपुर क्रिकेट मैदान पर किया गया। प्रतियोगिता में चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की कुल 14 टीमों ने भाग लिया। पूरे टूर्नामेंट में कुल 21 मैच खेले गए। फाइनल मुकाबला पेसिफिक डेंटल कॉलेज देबारी और जयपुर डेंटल कॉलेज के बीच खेला गया, जिसमें पैसिफिक डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में डॉ. अरशद अकून ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 21 रन बनाए और 3 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गय टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हार्दिक जैन, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज सचिन, सर्वश्रेष्ठ फील्डर कृष्णा जाट और मैन ऑफ द सीरीज सचिन (12० रन और 17 विकेट) रहे। ये चारों खिलाडी जयपुर डेंटल कॉलेज से थे। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मनोज चौधरी, सचिव, उदयपुर जिला क्रिकेट संघ उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. मनोहर भट्ट (प्राचार्य, जयपुर डेंटल कॉलेज), डॉ. ए. भगवंदास राय (प्राचार्य, पैसिफिक डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल) आदि मौजूद रहे।

शहर विधायक जैन ने की यूडीए के कार्यों की समीक्षा

- **बोहरागणेशजी में पार्किंग इसी माह से, मस्तान बाबा में बनेगी पुलिस चौकी**
- **चल रहे कामों को शीघ्र करने के निर्देश ताकी नए कामों की हो सके शुरूआत**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) के अधिकारियों से शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा कर उनकी समीक्षा की। इस दौरान शहर विधायक ताराचंद जैन ने यूडीए के अधिकारियों को उनके क्षेत्र में चल रहे विकास कामों को निर्धारित समय पर पूरा करने के लिए निर्देश दिए ताकी नए विकास कामों को हाथ में लिया जा सकें।

उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने उदयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त राहुल जैन के कक्ष में यूडीए के अधिकारियों से शहर में चल रहे कामों पर चर्चा की। इस मौके पर पुरोहितों का तालाब रोड को लेकर अधिकारियों ने कहा कि इस बार के बजट में इसे लिया है और शीघ्र ही इस पर कार्यवाही की भी की जाएगी। इसके साथ ही शहर विधायक जैन के बोहरा गणेशजी में पार्किंग पर यूडीए के अधिकारियों ने बताया कि वे बोहरा गणेशजी क्षेत्र में देवस्थान विभाग की जमीन पर बन रही पार्किंग को इस माह में पूरा कर देंगे और इसके बाद इस पार्किंग के लिए देवस्थान विभाग टेण्डर कर पार्किंग को ठेके पर देगा। इसी तरह विधायक जैन ने लक्ष्मी माताजी मंदिर के पास स्थित औदिच्य समाज के नोहरे के बारे में चर्चा की तो अधिकारियों ने कहा कि शीघ्र ही नोहरे के एवज में समाज से चर्चा कर सीसारमा में जमीन के बदले जमीन दी जाएगी और इस नोहरे को पार्किंग के रूप में विकसित किया जाएगा ताकी यहां पर लगने वाले जाम से मुक्ति मिल सकें।

उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने ट्राईडेंट से समोर बाग तक सड़क के विस्तारीकरण को लेकर यूडीए अधिकारियों से बात की तो अधिकारियों ने बताया कि अगले माह तक इस रोड का विस्तारीकरण पूरा कर दिया जाएगा। नेहरू हॉस्टल के पास बन रही सड़क को लेकर भी अधिकारियों ने बताया कि सड़क का काम काफी पूरा हो चुका है और कुछ खंभे हटाना शेष है और आगामी माह से इस सड़क को शुरू कर दिया जाएगा। उदयपुर विधायक ताराचंद जैन ने शहर में तीन नए चौराहे, शोभागपुरा में जूडियों के सामने, सौ फीट रोड एंट्रेस शोभागपुरा और ठोकर चौराहा के विस्तारण को लेकर अधिकारियों से पूछा तो अधिकारियों ने बताया कि तीनों जगहों पर काम चल रहा है और आने वाले कुछ समय में ये तीनों चौराहें नए स्वरूप में नजर आएंगे। इसके साथ ही उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने मस्तान बाबा में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस चौकी बनाने के लिए यूडीए के अधिकारियों को कहा कि वे चौकी के लिए जगह चिन्हित कर काम शुरू करें ताकी क्षेत्र में पुलिस का पर्याप्त जाब्ता तैनात रहे। इस मौके पर शहर विधायक ताराचंद जैन ने यूडीए के अधिकारियों से कहा कि वर्तमान में चल रहे कामों को शीघ्र से शीघ्र पूरा करें ताकी नए कामों को हाथ में लिया जा सकें। इस मौके पर यूडीए सचिव हेमेन्द्र नागर, वरिष्ठ अभियंता संजीव शर्मा सहित यूडीए के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वर्कशॉप का हुआ आयोजन

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा गुड क्लिनिकल रिसर्च प्रैक्टिस विषय पर सीएमई-कम-वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य क्लिनिकल ट्रायल्स एवं अन्य शोध गतिविधियों में मानव प्रतिभागियों से जुडे परीक्षणों के डिजाइन, संचालन, रिकॉर्डिंग और रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक नैतिक एवं वैज्ञानिक गुणवत्ता मानकों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा इसे सभी स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य किए जाने के कारण यह कार्यशाला विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। साथ ही क्लिनिकल ट्रायल्स से जुडे फैकल्टी सदस्य और एथिक्स कमेटी के सदस्यों के लिए भी यह कार्यक्रम उपयोगी रह कार्यशाला में विभिन्न ब्रॉड एवं सुपर स्पेशियलिटी विभागों के कुल 165 चिकित्सकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में प्रतिभागियों का प्री-टेस्ट लिया गया तथा कार्यशाला के अंत में पोस्ट-टेस्ट आयोजित कर उनके ज्ञान का मूल्यांकन किया गय इस सीएमई-वर्कशॉप का आयोजन डॉ. अरविंद यादव, प्रो. एवं विभागाध्यक्ष, फार्माकोलॉजी विभाग, जीएमसीएच द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डीन डॉ. संगीता गुप्ता और मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. हरप्रीत सिंह ने किया। उद्घाटन समारोह में एडीपी डॉ. मंजीन्दर कौर भी उपस्थित रहीं। कार्यशाला के दौरान फार्माकोलॉजी विभाग के प्रो. डॉ. अरविंद यादव, प्रो. डॉ. पी. एलांगो, डॉ. अर्चना राठौड और डॉ. साक्षी सिंह, प्रो. डॉ. मनु शर्मा ने विभिन्न विषयों पर इंटरैक्टिव सत्र प्रस्तुत किए।

मामला दर्ज

उदयपुर,(कासं)। अम्बामाता थाना पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ मकान की जबरन रजिस्ट्री कराने युवक का अपहरण करने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित ई ब्लॉक चित्रकूटनगर निवासी दीपक माली ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरा दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 27 फरवरी 26 को अज्ञात बदमाश अंबामाता थाना क्षैत्र से कार में डाल कर अपहरण कर ले गए। इस दौरान बदमाशों ने चित्रकूट नगर स्थित मकान की रजिस्ट्री कराने के लिए दबाव डाल रहे थे। इनकार करने बदमाशों ने मारपीट की।

आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल का किया शैक्षणिक भ्रमण

उदयपुर, (कासं)। पाहेर विवि के योग विभाग के विद्यार्थियों ने देबारी स्थित आयुर्नेचुरो हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर का शैक्षणिक भ्रमण किया।

इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना तथा योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के बीच संबंध को समझाना था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य डॉ शुभा सुराणा एवं अतिथि संकाय राजेश टांक के साथ विद्यार्थियों ने अस्पताल की विभिन्न उपचार पद्धतियों को देखा और विशेषज्ञ चिकित्सकों से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों और विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद के अनुसार शरीर में वात, पित्त और कफ तीन प्रमुख दोष होते हैं। जब ये संतुलित रहते हैं तो व्यक्ति स्वस्थ रहता है, लेकिन इनके असंतुलन से विभिन्न प्रकार के रोग उत्पन्न हो सकते हैं। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को प्राकृतिक चिकित्सा विभाग भी दिखाया गया। योग विभागाध्यक्ष डॉ जसवंत मेनारिया ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इससे विद्यार्थियों को कक्षा में पढाए जाने वाले सिद्धांतों को वास्तविक जीवन में देखने और समझने का अवसर मिलता है।

युवक की शिनाख्त

उदयपुर,(कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षैत्र में मिले अज्ञात युवक की पुलिस ने शिनाख्त कराई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार को प्रतापनगर से सुखेर रोड़ पर मकान के बाहर मिले अज्ञात युवक की हेडकांस्टेबल राजेन्द्रसिंह ने प्रतापगढ रामवली निवासी भूरीबाई से मृतक की अपने भाई पूरण पुत्र मांगीलाल रावत निवासी बिनोता निम्बाहेड़ा चित्तोड़गढ के रूप में शिनाख्त कराई। पूरण मजदूरी किया करता था एवं लोगों के मकान के बाहर रात में सोया करता था।

डॉ अमृता होगी उदयपुर की पहली महिला एसपी

उदयपुर, (कासं)। राज्य सरकार ने आदेश जारी कर प्रदेश के 64 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इनमें उदयपुर एसपी योगेश गोयल को एसीबी जयपुर लगाया है उनके स्थान पर डॉ अमृता दुहन को उदयपुर एसपी लगाया है। डॉ अमृता उदयपुर की पहली महिला पुलिस अधीक्षक होगी जो उदयपुर जिले की कानून व्यवस्था की कमान संभालेगी। वर्ष 2016 बैच की आईपीएस डॉ. अमृता दुहन उदयपुर की पहली महिला एसपी बनेंगी। उनकी छवि काफी सख्त पुलिसिंग की है, उनका खौफ कई माफिया और गैंगस्टर में रहता है। आईपीएस अमृता दुहन की 2016 से लेकर अब तक की सभी पोस्टिंग ऐसे मुख्य शहरों में रही है।

दो दिवसीय वेस्ट जोन वाइस चांसलर कान्फ्रेंस 17-18 मार्च को

- **'स्वदेशी, आर्थिक देश भक्ति और तकनीकी राष्ट्रवाद के माध्यम से आत्म निर्भर भारत' विषय पर होगा मंथन**
- **कान्फ्रेंस में 150 से अधिक वाइस चांसलर लेंगे भाग**

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विद्यापीठ एवं एसोसिएशन ऑफ इंडियन युनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 17-18 मार्च को 'स्वदेशी, आर्थिक देश भक्ति और तकनीकी राष्ट्रवाद के माध्यम से आत्म निर्भर भारत' विषय पर दो दिवसीय वेस्ट जोन वाइस चांसलर कान्फ्रेंस का आयोजन एग्रीकल्चर महाविद्यालय के सभागार में किया जायेगा।

शनिवार को तैयारी बैठक को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने बताया कि विद्यापीठ की मेजबानी में पहली बार आयोजित हो रही कान्फ्रेंस में महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, तेलंगाना के 150 से अधिक कुलगुरू शिरकत करेंगे। दो दिवसीय सेमीनार के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों में स्वदेशी नवाचार, आर्थिक आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने पर विषय विशेषज्ञ अपने विचारों का साझा करेंगे। सभी अतिथियों का राजस्थानी परम्परा के अनुसार भव्य स्वागत किया जायेगा जिसके लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है। आयोजन सचिव प्रो. युवराज सिंह ने बताया कि सेमीनार में भाग लेने वाले सदस्यों का रविवार से आने का क्रम शुरू हो जायेगा। समारोह को लेकर विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है। बैठक में प्रो. युवराज सिंह राठौड, प्रो. बलिदान जैन, प्रो. सुनिता मुर्डिया, प्रो. अमी राठौड, प्रो. रचना राठौड, प्रो. भूरालाल श्रीमाली, डॉ. दिनेश श्रीमाली, डॉ. चन्द्रेश छतलानी सहित कमेटी सदस्य उपस्थित थे।

निगम ने सड़क पर रखा सामान किया जब्त

उदयपुर, (कासं)। शहर में बढ़ते अतिक्रमण को रोकने के लिए नगर निगम उदयपुर द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में टाउन हॉल लिंक रोड क्षेत्र में निगम की टीम ने सख्त कार्रवाई करते हुए सडक पर रखे सामान को जब्त किया।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई का नेतृत्व पुलिस निरीक्षक मांगीलाल डांगी ने किया। कार्रवाई के दौरान टीम ने सार्वजनिक मार्ग पर अतिक्रमण कर रखे 7 कूलर, एक एसी तथा एक वॉशिंग मशीन को जब्त किया। यह सामान दुकानदारों द्वारा सडक पर रखकर प्रदर्शित किया गया था,जिससे आमजन की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हो रही थी। निगम अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक मार्गों और फुटपाथों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कई बार चेतावनी देने के बावजूद नियमों की अवहेलना करने वाले व्यापारियों के खिलाफ निगम द्वारा यह कार्रवाई की गई है।

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, उदयपुर (राज.)

नोटिस

पत्रावली संख्या:- 153/2026/1352 दिनांक- 6.3.2026
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 (2) के अधीन नोटिस सम्बन्धित व्यक्तियों को
(समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु)

चूंकि श्री सत्यनारायण सोमानी, मंत्री ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम, 1959 की धारा-23 के अन्तर्गत श्री रामद्वारा ट्रस्ट, तहसील कपासन, जिला चित्तौड़गढ़ प्रन्यास के सम्बन्ध में प्रन्यासी परिवर्तन को दर्ज किये जाने के लिये आवेदन पत्र दिया है।

अतएव धारा 23 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपयुक्त प्रन्यास, जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 30 (तीस) दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। ओर यह सूचित किया जाता है कि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 06.03.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आगामी पेशी तारीख 15.04.26 की रखी गयी है।

(जतीन कुमार गांधी)
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, उदयपुर

शराब तस्कर गिरफ्तार

डूंगरपुर। बिछीवाडा थाना पुलिस ने ऑपरेशन शिंकजा के तहत एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी शराब सप्लायर है और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। बिछीवाडा पुलिस सूत्रों के अनुसार 3० सितंबर 2०25 को नाकाबंदी के दौरान मुखबिर की सूचना पर एक कंटेनर को रुकवाकर तलाशी ली गई थी। चालक कालूसिंह राठौड निवासी केरिंगजी का खेडा, थाना केलवा राजसमंद ने ट्रक में कूलर की बॉडी भरी होने की जानकारी दी। कंटेनर खोलकर जांच की गई तो उसमें कूलर की बॉडी की आड में चंडीगढ निर्मित अंग्रेजी शराब के 352 कार्टन भरे हुए मिले थे। सभी कार्टनों पर फॉर सेल ओनली चंडीगढ लिखा था। पुलिस ने शराब जब्त कर चालक कालूसिंह को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया था।

बैठक में बीज उत्पादन बढ़ाने पर दिया जोर

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमपीयूएटी), उदयपुर के कुलपति डॉ. प्रताप सिंह ने विश्वविद्यालय में बीज उत्पादन की समीक्षा बैठक में बीज उत्पादन को विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी संबंधित अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों को निर्देश दिए कि प्रत्येक बुवाई ऋतु में किसी भी कृषि फार्म की भूमि को खाली नहीं छोडा जाए।

उन्होंने कहा कि चाहे वह अनुसंधान फार्म हो, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) हो अथवा विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के फार्म हों, सभी स्थानों पर उपलब्ध भूमि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। कुलपति डॉ. प्रताप सिंह ने विशेष रूप से जायद फसल के रूप में जायद मूंग के उत्पादन पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान में गेहूं, सरसों एवं चने की कटाई के तुरंत बाद उसी भूमि पर जायद मूंग की बुवाई कर उत्पादन लिया जा सकता है। इससे भूमि का बेहतर उपयोग होगा, उत्पादन में वृद्धि होगी तथा विश्वविद्यालय के राजस्व में भी बढोतरी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि बीज उत्पादन को बढाने के लिए विश्वविद्यालय के सभी कृषि फार्मों पर यदि किसी प्रकार की समस्याएं या कठिनाइयां हैं तो उन्हें आगामी बैठक में अवगत कराया जाएं।

भारत सरकार

राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय
लाजपत नगर, (नजदीक मूलचंद मेट्रो स्टेशन),
नई दिल्ली- 110024 दूरभाष: 011-26436788, 26435270, 26435397
ई-मेल-principal-rakcon@gov.in

प्रवेश सूचना

एम.एससी. नर्सिंग पाठ्यक्रम, (2026-27)
(दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त)

एम.एससी. नर्सिंग पाठ्यक्रम (2026-2027) के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। निर्धारित आवेदन प्रपत्र एवं विवरण पत्रिका महाविद्यालय की वैबसाइट (www.rakcon.com) से डाऊनलोड किये जा सकते हैं और रुपये 1500/- का ऑनलाइन भुगतान जो "Principal, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi" के नाम देय हो, के साथ 20/03/2026 से 24/04/2026 सायं 5:00 बजे तक ऑनलाइन जमा किए जा सकते हैं।

प्रवेश संबंधी अपेक्षाएं

प्रत्याशी को 55% सफल प्राप्तांकों सहित दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.एससी. (आनर्स) परीक्षा या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.एससी. नर्सिंग/पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग परीक्षा पास होनी चाहिए एवं किसी संस्था / विशेष अध्ययन संस्थान अथवा जनस्वास्थ्य एजेंसी (100 या अधिक बेड वाला) से नर्सिंग में एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए। अनुभव की गणना दिनांक 24 अप्रैल, 2026 तक मानी जाएगी। दिनांक 31 मई, 2026 को सुबह 10:00 बजे चयन परीक्षा होगी।

CBC 17149/11/0001/2526

स्वच्छता सप्ताह आरंभ

- **अधिकारियों ने झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश, नगर निगम आयुक्त ने दिलाई स्वच्छता की शपथ**

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान दिवस समारोह के उपलक्ष्य में नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता को बढावा देने के उद्देश्य से शनिवार से सात दिवसीय स्वच्छता सप्ताह का शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरुआत शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल सुखाडयि सर्कल पर जनप्रतिनिधियों,प्रशासनिक अधिकारियों व शहर के गणमान्य नागरिकों द्वारा सफाई कार्य कर की गई।

कार्यक्रम में शहर विधायक ताराचंद जैनए जिला कलक्टर नमित मेहता, नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना,भाजपा शहर जिलाध्क्ष गजपाल सिंह,अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर जितेंद्र ओझा,अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन दीपेंद्र सिंह राठौड सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीए जनप्रतिनिधि और शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शहर विधायक ताराचंद जैन ने शहरवासियों को स्वच्छता को लेकर नगर निगम द्वारा जो अभियान चलाया गया है उसमें सहयोग करने की अपील की है। जिला कलक्टर नमित मेहता ने भी शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए उदयपुर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सहयोग करें। नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने बताया कि राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में शुरू किया गया यह स्वच्छता सप्ताह सात दिनों तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मनाया जाएगा। इस दौरान नगर निगम द्वारा अलग.अलग स्थानों पर सफाई अभियानए जनजागरूकता कार्यक्रम स्वच्छता रैली, प्लास्टिक मुक्त अभियान,जागरूकता गतिविधियां तथा श्रमदान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि इसमें शहर के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

दिल्ली कैपिटल्स की मेंबरशिप छोड़ी, इस जिम्मेदारी के लिए जितना समय चाहिए, वह नहीं दे पाऊंगा। कॉमेंट्री बॉक्स में कमेंट्री करते नजर आऊंगा। - केविन पीटरसन

पूर्व इंग्लिश कप्तान, दिल्ली कैपिटल्स की मेंटरशिप छोड़ने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

ब्लेसिंग मुजरबानी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी पर एग्रीमेंट तोड़ने का केस करने की तैयारी कर रहा है। पीसीबी के कानूनी विभाग को जिम्बाब्वे के इस तेज गेंदबाज के खिलाफ मामला दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज मुजरबानी ने पाकिस्तान सुपर लीग की फ्रेंचाइजी इस्लामाबाद यूनाइटेड के एग्रीमेंट को छोड़कर इंडियन प्रीमियर लीग की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ करार किया है। एक दिन पहले शुक्रवार को केकेआर ने बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के रिप्लेसमेंट के रूप में मुजरबानी को अपने साथ जोड़ने का ऐलान किया था।

क्या आप जानते हैं ?... विराट कोहली वनडे में सबसे ज्यादा (52) शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को सौरव गांगुली ने दी बड़ी चेतावनी

पिच की सोच को अपने दिमाग से पूरी तरह निकाल देना चाहिए

नई दिल्ली, 14 मार्च। गौतम गंभीर ने बतौर भारतीय हेड कोच इतिहास रचा है। दरअसल, गंभीर टीम इंडिया के पहले ऐसे कोच बने जिन्होंने दो आईसीसी खिताब जीते। गंभीर की कोचिंग में भारत ने पहले साल 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता और अब टी20 वर्ल्ड कप 2026 का टाइटल अपने नाम किया। हालांकि, गंभीर की इस कामयाबी के बाद अब टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने उन्हें बड़ी चेतावनी दी।

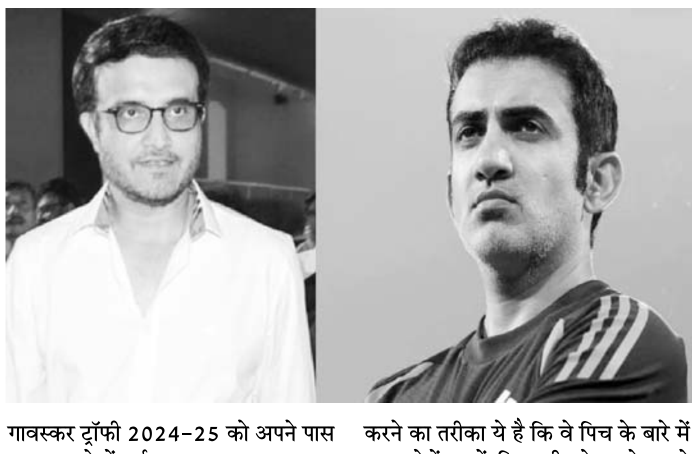

सौरव गांगुली ने ये भी बताया कि भारत को टेस्ट क्रिकेट में अपने प्रदर्शन में सुधार करने की जरूरत है। खास बात ये है कि जब से गंभीर ने हेड कोच का पद संभाला है भारत अपने घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट सीरीज हार चुका है। इसके अलावा भारत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 को अपने पास बनाए रखने में भई नाकाम रहा था।

गांगुली ने कहा कि रेड बॉल क्रिकेट में उन्हें बेहतर करने की जरूरत है और ऐसा करने का तरीका ये है कि वे पिच के बारे में कम सोचें। उन्हें पिच की सोच को अपने दिमाग से पूरी तरह निकाल देना चाहिए। इंग्लैंड के खिलाफ हुए टेस्ट सीरीज का ही उदाहरण ले लीजिए। वे पिच के बारे में कुछ नहीं कर पाए और नतीजे देख ही सकते हैं। उन्हें अपने घरेलू मैदान पर टर्निंग पिचों पर खेलने की जरूरत नहीं है और अच्छी पिचों पर ही अच्छे नतीजे मिलेंगे।

गांगुली ने एक इंटरव्यू में कहा कि 2027 का वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका में खेला जाएगा और वहां की परिस्थितियां टीम और कोच दोनों को चुनौती देंगी। उन्होंने भरोसा जताया कि गंभीर मौजूदा टीम के साथ वहां भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भारत ने फाइनल तक अजेय सफर तय किया था, लेकिन फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। गंभीर ने 2011 में बतौर खिलाड़ी वर्ल्ड कप जीता था, अब उन पर बतौर कोच भारत को वनडे का विश्व विजेता बनाने का दबाव है।

क्रिकेट गलियारों में चर्चा है कि ये धोनी का आखिरी आईपीएल सीजन होगा

आईपीएल 2026 के लिए जमकर तैयारी कर रहे हैं धोनी, बल्ले पर धार देते हुए आए नजर

नई दिल्ली, 14 मार्च। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। जिसका पहला मुकाबला आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स पर फैंस पर एमएस धोनी के कारण नजरें टिकी हुई हैं। चेन्नई का पहला मुकाबला राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होगा। इस बार मैदान का समीकरण भी बदला-बदला नजर आएगा। जहां संजू सैमसन पीली जर्सी तो रवींद्र जडेजा रॉयल्स की जर्सी में नजर आएंगे।

फिलहाल, चेन्नई सुपर किंग्स ने एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। वीडियो में धोनी नेट्स पर जाने से पहले खुद अपने हाथों से ग्राउंडर के जरिए अपने बल्ले को फिनिशिंग टच दे रहे हैं। सीएसके ने इसे मास्टर ऑफ द क्रॉफ्ट का कैप्शन दिया है। फैंस को उम्मीद है कि इस सीजन में भी धोनी के बल्ले से छक्कों की वही पुरानी बरसात देखने को मिलेगी।

क्रिकेट गलियारों में चर्चा है कि ये धोनी का आखिरी आईपीएल सीजन होगा। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने भी इसी कड़ी में कहा है कि धोनी के बिना आईपीएल और सीएसके की कल्पना करना नामुमकिन है। इरफान का मानना है कि धोनी की भूमिका अब टीम को जोड़ने और ऋतुराज गायकवाड़ के साथ-साथ संजू सैमसन के सीईओ कासी विश्वनाथन ने साफ किया है कि, धोनी सभी मैच खेलेंगे, बस उनकी भूमिका टीम मैनेजमेंट तय करेगा।

इरफान ने कहा, ''धोनी के बिना सीएसके की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। हो सकता है कि इस सत्र में हम उन्हें आखिरी बार पीली जर्सी में देखें। लेकिन उनके बिना सीएसके और आईपीएल की कल्पना करना मुश्किल है।'' उन्होंने कहा, ''आईपीएल शुरू होने के साथ ही हम धोनी को फिर से खेलते हुए देखने लगते हैं। इसका मतलब है कि वह इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं और वह काफी फिट भी दिख रहे हैं।'' यह 44 वर्षीय खिलाड़ी इस महीने की शुरुआत में चेन्नई में सीएसके शिविर में शामिल हो चुका है और कप्तान रितुराज गायकवाड़ के नेतृत्व वाली टीम के साथ अभ्यास कर रहा है।

छठी आईपीएल ट्रॉफी जीतकर उन्हें शानदार विदाई देने की कोशिश करेंगे- संजय बांगड़ - सीएसके का टीम प्रबंधन चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगा। वे निश्चित रूप से छठी आईपीएल ट्रॉफी जीतकर उन्हें शानदार विदाई देने की कोशिश करेंगे।'' धोनी ने आईपीएल में अब तक 278 मैच खेले हैं और 5,439 रन बनाए हैं। पिछले सत्र में उन्हें केवल डेथ ओवरों में ही बल्लेबाजी करते हुए देखा गया था। उन्होंने तब 13 पारियों में 196 रन बनाए थे। सीएसके ने रविंद्र जडेजा को राजस्थान रॉयल्स को देकर उनकी जगह संजू सैमसन को अपनी टीम से जोड़ा था। राजस्थान रॉयल्स की टीम में जोस बटलर भी नहीं हैं। इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच संजय बांगड़ का मानना है कि दो स्थापित बल्लेबाजों के जाने के बाद राजस्थान के युवा खिलाड़ियों को अब जिम्मेदारी संभालनी होगी।

सूर्या-गंभीर वर्ल्डकप ट्रॉफी लेकर सिद्धि विनायक मंदिर पहुंचे

मुंबई, 14 मार्च। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और हेड कोच गौतम गंभीर शनिवार को टी-20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी के साथ मुंबई के श्री सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे। यहां दोनों ने भगवान गणेश के दर्शन कर टीम की सफलता के लिए आशीर्वाद लिया।इससे पहले 8 मार्च को चैंपियन बनने के बाद उन्होंने ट्रॉफी के साथ अहमदाबाद के हनुमान मंदिर में भी दर्शन किए थे। खिलाड़ियों के मंदिर जाने पर पूर्व क्रिकेटर और सांसद कीर्ति आजाद ने सवाल भी उठाए थे। वहीं, भारतीय क्रिकेट टीम के ओपनर अभिषेक शर्मा भी 13 मार्च को जम्मू-कश्मीर के कटरा स्थित प्रसिद्ध वैष्णो देवी मंदिर पहुंचे और माता रानी के दर्शन करके आशीर्वाद लिया। टी-20 इंटरनेशनल रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज अभिषेक ने अपनी यात्रा की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कीं और कैप्शन लिखा- जय माता दी। फोटोज में वे सफेद कुर्ता-पायजामा पहने, माथे पर तिलक लगाए और हाथ जोड़कर दर्शन करते नजर आए। वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव 8 मार्च की देर रात ट्रॉफी के साथ अहमदाबाद के हनुमान मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान हनुमान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उनके साथ आईसीसी चेयरमैन जय शाह और टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर भी मौजूद रहे।

आईपीएल 2026 : कोलकाता नाइट राइडर्स ने लॉन्च की जर्सी, नए कलेवर में दिखेगी केकेआर टीम

नई दिल्ली, 14 मार्च। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 से पहले अपनी जर्सी लॉन्च कर दी है। 14 मार्च को जारी की गई जर्सी में एक बार फिर से चमकदार सुनहरे पैट लौट आए हैं। कंधों और बाजू में ये पैच दिखेंगे, जर्सी का रंग बैंगनी ही रखा गया है। केकेआर आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे सफल टीम है। उसने तीन बार खिताब अपने नाम किया है।

साल 2012, 2014 में गौतम गंभीर और 2024 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस टीम ने खिताब अपने नाम किया था। कोलकाता की टीम आईपीएल 2025 में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में खेली थी। तब वह लीग स्टेज से आगे नहीं जा सकी थी, वह अंक तालिका में आठवें नंबर पर रही थी।

फिलहाल, आगामी सीजन से पहले केकेआर 18 मार्च से कोलकाता में प्री सीजन ट्रेनिंग करेगी। एक दिन पहले से खिलाड़ी इसके लिए पहुंचना शुरू हो जाएंगे। सबसे पहले तेजस्वी सिंह, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, प्रशांत सोलंकी और सार्थक रंजन जैसे अनकैप्ड खिलाड़ी कैंप का हिस्सा बनेंगे। रहाणे, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती एक-दो दिन की देरी से केकेआर के कैंप में शामिल होंगे। वहीं केकेआर अपना पहला मैच 29 मार्च को मुंबई के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेलेगी। जबकि उसका पहला होम मैच 2 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के साथ रखा गया है। अभी आईपीएल 2026 के पहले 20 मैच के शेड्यूल का ही ऐलान हुआ है।

हर्षित राणा पूरे सीजन के लिये हो सकते हैं बाहर

आईपीएल 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज हर्षित राणा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, रिपोर्ट्स की मानें, तो राणा आईपीएल 2026 के पूरे सीजन से बाहर हो सकते हैं। केकेआर के लिए ये बड़ा झटका है क्योंकि वे कोलकाता के लिए पिछले कुछ सीजन से बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। हर्षित को टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में जगह मिली थी लेकिन चोट के कारण वह टूर्नामेंट नहीं खेल पाए थे। हर्षित राणा की जगह टीम इंडिया में मोहम्मद सिराज को रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल किया गया था।

इंडियन विमेंस हॉकी टीम वर्ल्ड कप क्वालीफायर के फाइनल में

हैदराबाद, 14 मार्च। एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर 2026 में भारतीय महिला टीम फाइनल में पहुंच गई है। हैदराबाद के जीएमसी बालयोगी हॉकी ग्राउंड में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने इटली को 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र गोल मनीषा चौहान ने 40वें मिनट में किया। फाइनल में भारत का सामना इंग्लैंड से होगा। मुकाबला शनिवार शाम 7:30 बजे खेला जाएगा। मैच की शुरुआत काफी रोमांचक रही।

मयंक चक्रवर्ती ने इतिहास रचा, भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर बने

नई दिल्ली, 14 मार्च। प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी मयंक चक्रवर्ती ने अपने उभरते करियर की आखिरी बाधा पार करते हुए अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल कर लिया, जिससे वह भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर बन गए। वह के पूर्वोत्तर से यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। असम के गुवाहाटी के रहने वाले 17 वर्षीय चक्रवर्ती 2024 में इंटरनेशनल मास्टर बने थे। उन्होंने 'होटल स्टॉकहोम नॉर्थ बाय फर्स्ट होटल्स चेस टैलेंट्स टूर्नामेंट' के आठवें दौर में एक दौर बाकी रहते ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन्होंने इस दौर में स्वीडिश आईएम फिलिप लिंडग्रेन को हराया। लिंडग्रेन पर जीत के दौरान चक्रवर्ती अपने खेल के चरम पर थे।

विकसित राजस्थान रन 2026 आज

मुख्यमंत्री सुबह 6.30 बजे अमर जवान ज्योति से दिखायेंगे हरी झंडी

जयपुर, 14 मार्च। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग व अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् डा. नीरज के.पवन ने शनिवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम के अर्जुन मीटिंग हॉल में राज्य स्तरीय विकसित राजस्थान रन 2026 को सफल बनाने के उद्देश्य से गठित की गई खेल परिषद् की विभिन्न समितियों के अधिकारियों, कर्मचारियों व प्रशिक्षकों की बैठक आहुत की। जिसमें उन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर गत वर्ष से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर राजस्थान दिवस मनाने की शुरूआत की गई है। रविवार 15 मार्च को सुबह 6.30 बजे राज्य स्तरीय विकसित राजस्थान रन 2026 का आयोजन किया जाएगा, जिसे समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा अमर जवान ज्योति से फ्लैग-ऑफ़ किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता युवा मामले एवं खेल मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ करेंगे। जबकि विशिष्ट अतिथि युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार के. के. विश्नोई करेंगे। डा. नीरज के.पवन ने कहा कि यह विकसित राजस्थान रन 3 किलोमीटर की होगी। किसी भी तरह की कोई अव्यवस्था न हो, इसका विषेष ख्याल रखा जाए। आयोजन सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सफलतापूर्वक संपन्न हों, इसके लिए 11 समितियों का गठन किया गया है।

आर्याना सबालेंका इंडियन वेल्स के फाइनल में

नई दिल्ली, 14 मार्च। इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने सेमीफाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटा 28 मिनट तक चला।

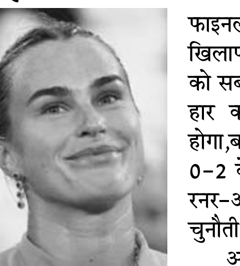

सबालेंका पिछले चार साल में तीसरी बार इंडियन वेल्स के फाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले वह यहां दो बार उपविजेता रह चुकी हैं। अब फाइनल में उनका सामना कजाकिस्तान की एलिना रायबकिना से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में रायबकिना ने यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया।

सबालेंका के लिए यह फाइनल बेहद अहम है। साल 2026 में सबालेंका ने अब तक 13 मैच खेले हैं, जिनमें से 12 में उन्हें जीत मिली है। उनकी एकमात्र हार इसी साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलिना रायबकिना के खिलाफ आई थी। ऐसे में रविवार को सबालेंका के पास न सिर्फ उस हार का बदला लेने का मौका होगा,बल्कि इंडियन वेल्स में अपने 0-2 के फाइनल रिकॉर्ड (दो बार रनर-अप रहना) को सुधारने की भी चुनौती होगी।

आर्याना सबालेंका और एलिना रायबकिना के बीच अब तक कुल 15 मुकाबले हुए हैं। इनमें सबालेंका का पलड़ा भारी है और उन्होंने 8 मैचों में जीत दर्ज की है। हालांकि, पिछले दो मुकाबलों में बाजी रायबकिना के हाथ लगी है। फाइनल को लेकर सबालेंका ने कहा,मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि रविवार के मैच के लिए मैं पूरी तरह तैयार रहूं। मैं अपना बेस्ट टेनिस खेलूंगी और पूरी कोशिश करूंगी कि यह साल मेरा हो।

फाइनल के लिए आज टीम जयपुर और टीम नाहरगढ़ होगी आमने-सामने

जयपुर पोलो सीजन 2026

जयपुर, 14 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत शनिवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर श्री सीमेंट कप (आउट ऑफ हैट) टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। यह मुकाबला टीम आरपीसी और टीम नाहरगढ़ के बीच हुआ, जिसमें टीम नाहरगढ़ 7-5 के स्कोर से विजेता बनी। टीम नाहरगढ़ ने आरपीसी को हराकर कल होने वाले फाइनल में अपनी जगह बना ली। फाइनल मुकाबले में टीम जयपुर और टीम नाहरगढ़ आमने-सामने होगी। यह टक्कर 15 मार्च, रविवार को शाम 5 बजे आरपीसी ग्राउंड पर होगी। सेमीफाइनल मुकाबले में विजेता टीम नाहरगढ़ से विशाल सिंह राठौड़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 गोल हासिल किए। वहीं, विग्रहराज सिंह कोठारिया और दिव्यमान

सिंह दूजोद ने 1-1 गोल अर्जित किया। टीम से तरुण बिलवाल भी खेले। दूसरी ओर, टीम आरपीसी की ओर से महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और टीम के लिए 5 गोल किए। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में योगेंद्र सिंह, बलबीर सिंह/लक्ष्यराज सिंह और जीशान अली मर्चेंट शामिल थे।

पांचवीं मिस्टर समर राजस्थान 5 अप्रैल को बीकानेर में

जयपुर, 14 मार्च। स्वर्गीय सेठ जेठमल जी भाटी की स्मृति में कम्युनिटी वेलफेयर सोसाइटी व राजस्थान स्टेट बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में 5 अप्रैल को बीकानेर में 5 वी मिस्टर समर राजस्थान प्रतियोगिता का आयोजन पुष्करणा स्टेडियम बीकानेर में किया जाएगा प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष व विधायक अशोक परनामी राजस्थान बॉडी बिल्डिंग संघ के अध्यक्ष नवीन यादव भरत बैरवा समाजसेवी दुलीचंद यादव व अयन गिर्द ने किया राज्य संघ के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में विजेताओं को 3 लाख के नगद पुरस्कार दिए जाएंगे जिसमें ओवरऑल मिस्टर समर राजस्थान को 71 000, रनर अप को 51000, प्रथम रनर अप को 31 000 का नगद पुरस्कार दिया जाएगा यादव ने बताया कि बॉडी बिल्डिंग में आठ भार वर्ग रखे गए हैं 55 किलोग्राम 60 किलोग्राम 65 किलोग्राम 70 किलोग्राम 75 किलोठाम 80 किलोग्राम 85 किलोग्राम वह 85 किलोग्राम से अधिक वही मेंनस स्पोर्ट्स फिजिक्स मास्टर्स व वूमेन फिटनेस फिजिक्स में ओपन कैटिगरी रखी गई है इन प्रतियोगिताओं में प्रत्येक प्रथम द्वितीय व तृतीय विजेताओं को क्रमशः 5000 , 3000 , व 2000 के नगद पुरस्कार दिए जाएंगे यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में राजस्थान के सभी जिलों के प्रतियोगी भाग लेंगे।

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांकः जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/63-64 दिनांक : 13.03.2026

पूर्णकालीन बिड सूचना सं.-जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/63-64

आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण के उद्यानिकी प्रवर्ग की उचित श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के सभी विभागों में 'अअ' व 'अ' श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं से ई-बिड **(E-Procurement)** निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है:-

S. N.	NIB No.	Name of Work	Tender Amount (In Lakh)	Sale/Download Date and End Date	Open Date	Job. No.
1	63	Development and Maintenance of new parks in H.Zone-II with 2 year maintenance. **UBN No. : JDA2526WSOB00671**	132.65	14.03.26 23.03.26	27.03.26	364/ 2025-26
2	64	Development and Maintenance of Ajmer road Old BRTS median with 2 year maintenance. **UBN No. : JDA2526WSOB00673**	130.70	14.03.26 23.03.26	27.03.26	009/ 2025-26

नोट :-

1. बिड को बिना कारण बताये निरस्त किया जा सकता है।
2. बिड E-Procurement के जरिए प्राप्त की जायेगी। बोलीदाता द्वारा पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. बिड से सम्बन्धित शर्तें वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in, http:/eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा वरिष्ठ उद्यानविज्ञ के कार्यालय कनक भवन, सैन्ट्रल पार्क में देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/22444

वरिष्ठ उद्यानविज्ञ

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास, सबको आवास

ई-ऑक्शन के माध्यम से

व्यावसायिक / आवासीय प्रीमियम संपत्तियों को खरीदने का सुनहरा अवसर

ई-ऑक्शन: 25 से 27 मार्च, 2026

आवासीय भूखण्ड

05 जयपुर | 02 दौसा | 05 झुंझुनू | 02 चुरु
02 जोधपुर | 02 सिरोही | 04 सुनेल, कोटा | 01 सुमेरपुर, पाली

बड़े व्यावसायिक भूखण्ड

12 जयपुर | 01 फलोदी, जोधपुर | 12 कोटा

छोटे व्यावसायिक भूखण्ड

34 जयपुर

ईएमडी राशि न्यूनतम बोली मूल्य की 2% होगी एवं बोली/ ई-नीलामी आरम्भ होने से 5 दिन पूर्व जमा कराई जा सकेगी एवं 24 घंटे पूर्व तक स्वीकार की जा सकेगी।

आवेदन हेतु स्कैन करें

RERA Website: www.rera.rajasthan.gov.in

वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी एवं अन्य शर्तों के लिए QR कोड स्कैन करें
*भवन निर्माण पैरामीटर्स भवन विनियम 2025 के अनुसार रहेंगे

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: **0141-2744688, 2740009**

कार्यालय समय उपरान्त: **9461054291/92/319 एवं 6376868696, 9460254319**

राज.संवाद/सी/25/22445

आवासन आयुक्त

आवेदन केवल ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से

मुख्यमंत्री ने श्रमदान कर स्वच्छता कार्यक्रम की शुरुआत की

उन्होंने एल्बर्ट हॉल पर मौजूद सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई

जयपुर, 14 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को एल्बर्ट हॉल से प्रदेशव्यापी स्वच्छता संकल्प एवं जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में श्रमदान करके स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नगर निगम के सफाईकर्मियों को पीपीई किट का वितरण किया। साथ ही, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चैक भी दिए। शर्मा ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा रामनिवास बाग में पौधारोपण भी किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में 30 मार्च 1949 को भारतीय नववर्ष की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र इंद्रयोग में वृहद् राजस्थान की स्थापना की गई थी। इसलिए हमने पिछले वर्ष राजस्थान दिवस को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर मनाने का निर्णय लिया था। इस वर्ष 19 मार्च को यह गौरवशाली दिवस पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान दिवस के भव्य आयोजन की शुरुआत स्वच्छता कार्यक्रम से हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेशवासियों को स्वच्छता से जोड़ने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए हैं। जल महल की पाल एवं मानसरोवर सिटी पार्क में स्वच्छता के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इसी क्रम में एल्बर्ट हॉल से राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में स्वच्छता कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को एल्बर्ट हॉल से प्रदेशव्यापी स्वच्छता संकल्प एवं जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत की।

नॉर्थ कोरिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डॉनल्ड ट्रम्प के लिए साफ संदेश था। रॉयटर्स की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इससे पहले जापान ने भी उत्तर कोरिया की ओर से दागे गए एक प्रक्षेपास्त्र, जो संभवतः बैलिस्टिक मिसाइल था, के उड़ान भरने और टोक्यो के एक्सक्लूसिव इकॉनॉमिक ज़ोन (ईईज़ेड) के बाहर समुद्र में गिरने की सूचना दी थी। जब ईरान युद्ध चल ही रहा है, ऐसे समय में इन मिसाइल प्रक्षेपणों का समय अमेरिकियों, खासकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के लिए काफी असहज करने वाला था। ऐसा लगता है कि किम जोंग उन जानबूझकर ट्रम्प को उकसा रहे हैं। इसके अलावा किम जोंग उन ने वही मिसाइलें दागी हैं, जिनसे बचाव के लिए अमेरिका अपना 'गोल्डन डोम' रक्षा तंत्र बना रहा है। इस पहल में जापान के भी शामिल होने की काफी संभावना है। इसी बीच कई रिपोर्टों में कहा गया है कि ट्रम्प, चीन की धरती पर आयोजित शिखर स्तर की वार्ता में किम जोंग उन से मिलना चाहते हैं। ट्रम्प और किम की मुलाकात की सम्भावना ईरान युद्ध के कारण और भी आवश्यक हो गई है।

दो दिन में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि महानिदेशालय नौवहन भारतीय ध्वज वाले जहाजों और उन पर तैनात भारतीय नाविकों की स्थिति पर लगातार नज़र रखे हुए है।

अमेरिका ने ईरान के अति महत्वपूर्ण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुए, ऐसा लगता है कि अमेरिका अब ईरान की जमीन पर "एम्फीबियन मिशन" (जल-थल दोनों से हमला) की तैयारी कर रहा है। इसके लिए वह जापान में तैनात अपनी एम्फीबियन टुकड़ियों को लगभग छह हजार मील दूर खाड़ी क्षेत्र के समुद्री पानी में ला रहा है। ईरान पर इस तरह का कोई भी एम्फीबियन हमला जमीन पर होने वाली खूनी और जबरदस्त लाड़ाइयों का सबब बन सकता है।

अमेरिका ईरान की जमीन पर लड़ने के लिए अमेरिकी मरीन सैनिकों को भेजने पर भी विचार कर रहा है। ऐसा होने पर दोनों पक्षों में हताहतों की संख्या तुरंत बढ़ सकती है। इससे संघर्ष का स्तर कहीं अधिक घातक हो जाएगा।

इसके अलावा, द्वीप पर हमला करना और वहाँ मरीन सैनिकों को उतारना एक तरह के आर्थिक युद्ध की शुरूआत भी हो सकती है। खार्ग द्वीप के

- **दूसरी ओर अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि अगर ईरान ने खाड़ी देशों की अमेरिका की मित्र सरकारों पर बमबारी जारी रखी तो वह खार्ग आईलैण्ड के "ऑयल हैडलिंग" ढांचे को नष्ट कर देगा।**
- **अतः चीन व रूस भी अगर खाड़ी देशों के युद्ध में शरीक हो गए और इस युद्ध की व्यापकता बढ़ी तो कहीं खाड़ी युद्ध, विश्व युद्ध में तब्दील न हो जाए।**

तेल टर्मिनल ईरान और चीन के बीच तेल व्यापार का मुख्य आधार थे।

ईरान से चीन जाने वाले अधिकतर तेल निर्यात इसी द्वीप की सुविधाओं से होते थे। ऐसे में, हो सकता है कि किसी न किसी मोड़ पर चीन भी इस मामले में दखल दे।

अमेरिका की ओर से खार्ग द्वीप पर की गई बमबारी केवल एक साधारण लक्ष्य पर हमला नहीं है। यह ईरान को उसकी सबसे संवेदनशील जगह पर चोट पहुंचाने जैसा है। खार्ग द्वीप के टर्मिनल ईरान के लगभग 80-90 प्रतिशत तेल निर्यात को संभालते थे और द्वीप पर ईरान की कुछ महत्वपूर्ण सैन्य सुविधाएं भी मौजूद हैं।

ईरान के अधिकांश समुद्री तट उथले पानी वाले हैं, जहां बड़े तेल टैंकर आसानी से नहीं लग सकते। इसलिए ईरान खार्ग द्वीप की सुविधाओं का उपयोग बड़े समुद्री तेल टैंकरों को ठहराने के लिए करता है। यहीं से ये जहाज तेल भरकर दूर-दराज के देशों के लिए रवाना होते हैं।

तथापि, अमेरिका ने कहा है कि अभी तक उसने केवल सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है और तेल से जुड़ी सुविधाओं को नुकसान नहीं पहुंचाया है। लेकिन यदि ईरान इस क्षेत्र में अमेरिकी और उनसे जुड़े ठिकानों पर बड़े स्तर पर हमले शुरू करता है, तो अगला निशाना तेल से जुड़ी सुविधाएं भी बन सकती हैं।

ईरान ने जवाबी कार्रवाई में बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास पर भी हमला किया है, जिससे वहां भारी नुकसान हुआ है। ईरान ने यह भी कहा है कि पूरे खाड़ी क्षेत्र में मुसलमानों को अमेरिकी और अमेरिका से जुड़े सभी स्थानों से दूर रहना चाहिए।

कुल मिलाकर, ईरान पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहा है। ईरान यह संदेश देना चाहता है कि यदि ये देश अमेरिका से दूरी बना लें, तो वे ईरानी हमलों का लक्ष्य बनने से बच सकते हैं।

पाकिस्तान को कतई उम्मीद नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसएमडीए के तहत पाकिस्तान पर उसकी मदद करने की जिम्मेदारी बनती है।

लेकिन ऐसे बयान सऊदियों के लिए ज्यादा सुकून देने वाले नहीं हैं, जो उम्मीद कर रहे थे कि संकट की घड़ी में पाकिस्तान ठोस कदम उठाएगा।

लेकिन पाकिस्तान इस दुविधा में फँसा हुआ है कि एक तरफ उसे मिलने वाले संभावित लाभ हैं और दूसरी तरफ ईरान के खिलाफ एक और मोर्चा खोलने के राजनीतिक और सुरक्षा परिणाम। यह तब और मुश्किल हो जाता है, जब पाकिस्तान पहले से ही कई मोर्चों पर उलझा हुआ है, बलूच स्वतंत्रता सेनानियों, पाकिस्तानी तालिबान के विद्रोहियों, अफगान तालिबान अमीरात के साथ तनाव, ईरान पर हमलों से नाराज़ शिया आबादी, और बढ़ती महंगाई व आर्थिक संकट के कारण जनता की बढ़ती नाराज़गी।

ईरान के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पारित प्रस्ताव, जिसे बहरीन ने पेश किया था और भारत व पाकिस्तान सहित 135 देशों ने सह-प्रायोजित किया, पाकिस्तान के लिए एक तरह का बचाव का रास्ता बन सकता है। पाकिस्तान की सेना के प्रचारक इस प्रस्ताव के समर्थन को रूस और चीन के पीछे छिपकर सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया और प्रस्ताव को वीटो भी नहीं किया। उनका तर्क है कि जब ईरान के करीबी माने जाने वाले रूस और चीन ने भी उसका खुलकर समर्थन नहीं किया, तो पाकिस्तान कैसे कर सकता था?

यह प्रस्ताव खुद इस बात का संकेत है कि ईरान किस हद तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ गया है। संघर्ष को व्यापक बनाने की उसकी रणनीति के पीछे भी एक खास तर्क है। लगता है कि ईरान का आकलन है कि अरब देशों में बड़े युद्ध का सामना करने की इच्छाशक्ति नहीं है और वे उसके हमलों का जवाब केवल सीमित या गैर-सैन्य तरीके से ही देंगे।

ईरान का अनुमान है कि अगर वह लंबे समय तक पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को बंधक बनाए रख सके, तो वह अपने दुश्मनों को लड़ाई खत्म करने के लिए मजबूर कर सकता है। अगर इसके लिए पूरे मध्य-पूर्व की अर्थव्यवस्था और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान उठाना पड़े, तो भी वह ऐसा करने को तैयार है। यह एक बेतरतीब रणनीति है, जिसमें कम लागत वाले हथियारों को उच्च स्तर के राजनीतिक और आर्थिक दबाव के साथ इस्तेमाल करके सभी के लिए स्थिति की लागत असहनीय बनाने की कोशिश की जाती है।

समस्या यह है कि ईरान की इस रणनीति का असर केवल खाड़ी देशों पर ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। दूसरे शब्दों में, ईरान ने पूरी दुनिया का गुस्सा मोल ले लिया है, यहाँ तक कि उन देशों का भी, जो पहले उसके प्रति कुछ सहानुभूति रखते थे। हालांकि चूंकि ईरान केवल अपनी सरकार ही नहीं, बल्कि अपने राज्य के अस्तित्व की लड़ाई भी लड़ रहा है, इसलिए वह अपनी रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव उसे अपने कदम पीछे खींचने के लिए मजबूर नहीं करेगा।

लेकिन अगर संघर्ष के दूसरे मोर्चे खुलते हैं तो ईरान के लिए स्थिति और भी खराब हो सकती है।

खबर है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ को क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बुलावे पर जल्दबाजी में सऊदी अरब जाना पड़ा है। चर्चाओं के अनुसार, शहबाज़ को ईरान के खिलाफ दूसरा मोर्चा खोलने का अल्टीमेटम दिया जा सकता है।

इसमें जमीनी सैनिकों का इस्तेमाल भी शामिल हो सकता है। कुछ अपुष्ट रिपोर्टों में बताया गया है कि कुछ दिन पहले पाकिस्तानी सेना की हलचल ईरान की सीमा की ओर देखी गई थी। अगर स्थिति सचमुच इस दिशा में बढ़ती है, तो यह संघर्ष एक नए चरण में प्रवेश करेगा, जो कई मायनों में अधिक खतरनाक, विनाशकारी और अस्थिर करने वाला हो सकता है।

अगर पाकिस्तान सऊदी अरब के आदेशों का पालन करता है, तो उसे आर्थिक मदद मिल सकती है, जिससे उसकी आर्थिक समस्याएँ कुछ कम हो सकती हैं। लेकिन ऐसा कदम उठाने से जो राजनीतिक और सुरक्षा परिणाम सामने आएंगे, वे शायद किसी भी आर्थिक लाभ से कहीं ज्यादा भारी साबित हो सकते हैं, जिसकी उम्मीद पाकिस्तान की किराए की सेना अपने सेवाओं के बदले कर रही है।

भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया और दावा किया कि सबसे पहले भाजपा समर्थकों ने गालियाँ दीं और पत्थर फेंकना शुरू किया।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुँचा।

यह घटना ब्रिगेड परेड ग्राउन्ड में होने वाली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली से लगभग आधे घंटे पहले हुई। यह रैली भाजपा की राज्यव्यापी 'परिवर्तन यात्रा' के समापन कार्यक्रम के रूप में की गई थी।

डिजिटल वॉर में अफवाहें मिसाइलों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तो यह कथित असामान्यता पूरी तरह गायब हो गई।

यह घटना सूचना के इस युग के एक बढ़ते विरोधाभास को भी दिखाती है। एक ओर एआई से बने कंटैंट के बारे में लोगों की जागरूकता बढ़ी है। दूसरी ओर, कभी-कभी यही जागरूकता उलटी समस्या पैदा कर देती है, जिसमें साधारण तस्वीरों या वीडियो के अधूरे फ्रेम को गलती से नकली मान लिया जाता है।

सशस्त्र संघर्ष के दौरान ऐसी गलत व्याख्याएं जल्दी ही मनोवैज्ञानिक युद्ध के बड़े कथानक का हिस्सा बन सकती हैं। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी, गुमनाम ऑनलाइन नेटवर्क और सामान्य उपयोगकर्ता भी ऐसे अपुष्ट दावों को आगे बढ़ा सकते हैं जो अनिश्चितता के माहौल में सच जैसे लगते हैं। संघर्ष में शामिल सरकारों के लिए अब सूचना प्रबंधन लगभग सैन्य रणनीति जितना ही महत्वपूर्ण हो गया है। लोगों तक संदेश पहुंचाना, तेजी से तथ्यों की जांच करना और डिजिटल निगरानी ऐसे जरूरी साधन बन गए हैं जिनसे उस गलत जानकारी का मुकाबला किया जा सके, जो लोगों के मनोबल को कमजोर कर सकती है या अंतरराष्ट्रीय धारणा को प्रभावित कर सकती है। नेतन्याहू से जुड़ी अफवाहें यह भी दिखाती हैं कि आधुनिक प्रपोगैंडा अक्सर पूरी तरह से मनगढ़ंत बातों के बजाय अस्पष्टता के जरिए कैसे काम करता है। कहीं बदला हुआ स्क्रीनशॉट, कहीं वीडियो का भ्रामक फ्रेम, और इसके साथ गुप्त हमलों या हत्या की कोशिशों की अटकलें, मिलकर ऐसी कहानी बना देते हैं, जो बिना ठोस सबूत के भी भरोसेमंद लग सकती है। इस स्थिति को और भी ज्यादा पेचीदा बनाती है जनरेटिव ए. आई. की बढ़ती हुई काबलियत। इससे नकली लेकिन भरोसेमंद दिखने वाली तस्वीरें, वीडियो और ऑडियो बनाना वास्तव में आसान हो गया है। हालांकि नेतन्याहू का वीडियो असली था, लेकिन उस पर फैला संदेह डिजिटल मीडिया की विश्वसनीयता को लेकर बढ़ती चिंता को दिखाता है। असल में दुनिया अब ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां नकली सामग्री और नकली होने के झूठे आरोप, दोनों एक साथ फैलते हैं। इसका परिणाम एक ऐसा माहौल है, जहां तस्वीरों वाले सबूतों पर से ही लोगों का भरोसा उठने लगा है। पत्रकारों और मीडिया संस्थानों के लिए इससे एक नई जिम्मेदारी पैदा होती है। अब तथ्यों के वैरिफिकेशन का काम पारंपरिक रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं रह सकता। इसमें डिजिटल फॉरेंसिक, चित्र विश्लेषण और तेजी से तथ्य जांच भी शामिल करनी होगी, और यह सब तब होना चाहिए, जब वायरल हो रही बातें लोगों की सोच को प्रभावित करना शुरू भी न कर पाई हों। नेतन्याहू से जुड़ी यह घटना, अफवाहें झूठी साबित होने के बाद, मामूली लग सकती है। लेकिन यह आधुनिक संघर्ष की एक गहरी सच्चाई को उजागर करती है, डिजिटल युद्धक्षेत्र में लोगों की सोच मिसाइल जितनी तेजी से फैल सकती है, और गलत जानकारी उतनी ही ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाली हो सकती है।

सोनम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि केंद्र लद्दाख के लोगों की अपेक्षाओं को संवाद के माध्यम से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908